भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत अखबार

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758

जागरूक जनता

10 जून - 16 जून 2026

jagrukjanta.net

ज्येष्ठ, पक्ष - कृष्ण, तिथि - दशमी , संवत 2083 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-12, अंक-15, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- साप्ताहिक

आज का समाज कैसा ‘शिक्षित’ या ‘आत्मघाती’? (2)

सटीक

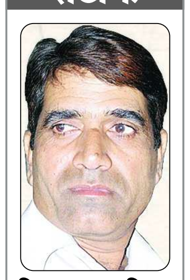

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

पिछले लेख में हमने विवाह देर से होने और उसके परिणामों की कुछ जानकारी दी थी। अब इस लेख के माध्यम से चुपचाप घटती हिन्दुओं की जनसंख्या के बारे मे बताते हैं। इस घटते अनुपात को यूं समझिए कि माना समाज में 100 लोग हैं यानि 50 जोड़े। अब अगर एक जोड़ा एक ही संतान पैदा करता है तो आने वाली अगली पीढ़ी में अधिकतम संतान कितनी होगी अगर कुछ निःसंतान हो जाए तो मात्र 45-46 संतानें होंगी। और ये जोड़े भी एक-एक संतान करें तो अगली पीढ़ी में मात्र 20-22 संतानें होंगी। इसके बाद तीसरी पीढ़ी में लगभग शून्य जैसी स्थिति हो जाएगी। ये मात्र अनुमान नहीं है यह एक गणित है जो सच है। इस गणित के अनुसार हमारे कई गांव उजड़ चुके हैं। क्यों उजड़ चुके हैं, क्योंकि उपरोक्त गणित से एक संतान हुई और वह भी रोजगार की तलाश में गांवों को छोड़कर शहरों की ओर पलायन कर गई। शहरों में बड़ी-बड़ी इमारतें खूब दिखाई देती हैं जिनमें पहले बहुतायत में संयुक्त हिन्दू परिवार रहते थे। आज उन इमारतों में संयुक्त हिन्दू परिवार नहीं रहता। संयुक्त परिवार रहेगा कहां से, जब परिवार बचा ही नहीं। आज विवाह के बाद की स्थिति पर भी जरा गौर कर लीजिए। पहली बात तो विवाह ही देर से होते हैं फिर कुछ वर्षों तक संतान नहीं चाहिए। इसके बाद बहुएं एक ही संतान चाहती हैं, ताकि जिंदगी का आनंद लिया जा सके, नौकरी, बिजनेस यानि करियर में कोई रुकावट नहीं आए। दूसरी ओर संतान होने के बाद उनका शरीर न बिगड़े। इसमें भी एक डर छुपा होता है कि कहीं कोई ‘बांझ या बांझड़ी’ औरत न कह दे। इसलिए सिर्फ एक बच्चा चाहिए और वो भी देर से। अब आने वाले शिक्षित समाज का भविष्य कैसा होगा इसका अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है। **क्रमशः**

shivdayalmishra@gmail.com

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पीएम स्वनिधि योजना बनी आत्मनिर्भरता की नई पहचान

‘स्वनिधि’ से प्रशस्त हो रही ‘समृद्धि’ की राह

राजस्थान में 3 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स को 426 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण वितरण

6 करोड़ से अधिक की ब्याज सब्सिडी और 10 करोड़ से अधिक कैशबैक से किया गया लाभान्वित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेश में प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है। यह योजना लाखों रेहड़ी-पटरी एवं फुटपाथ विक्रेताओं को आर्थिक संबल तो प्रदान कर ही रही है, साथ ही उन्हें आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर भी उपलब्ध करा रही है। प्रदेश में योजना के तहत पात्र 3 लाख 62 हजार 565 आवेदकों में से अब तक 3 लाख 6 हजार 255 लाभार्थियों को 439 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया जा चुका है। इनमें से 3 लाख से अधिक लाभार्थियों को 428 करोड़ 93 लाख रुपये से अधिक की राशि का ऋण वितरण भी किया जा चुका है। यह उपलब्धि प्रदेश की डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता और प्रभावी कार्यान्वयन का सशक्त प्रमाण है। उल्लेखनीय है कि अब तक प्रदेश के 1 लाख 64 हजार से अधिक स्वनिधि योजना के लाभार्थियों ने समय पर अपना ऋण चुकाकर आर्थिक अनुशासन और आत्मसम्मान का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है। पीएम स्वनिधि योजना समय पर और शीघ्र ऋण चुकाने को प्रोत्साहित करती है। इसके तहत लाभार्थियों को 7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सब्सिडी प्रदान की जाती है। राजस्थान में समय पर ऋण पुनर्भुगतान करने वाले लाभार्थियों के खातों में अब तक 6 करोड़ 57 लाख रुपये से अधिक की ब्याज सब्सिडी सीधे हस्तांतरित की जा चुकी है। इसके अलावा, अपने ऋण को समय पर चुकता करने वाले रेहड़ी पटरी लगाने वाले विक्रेता अगले चरण में अधिक राशि के ऋण के लिए पात्र हो जाते हैं।

स्ट्रीट वेंडर्स के लिए संजीवनी साबित हो रही ‘स्वनिधि’

पीएम स्वनिधि योजना की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जयपुर शहर में 60 हजार से अधिक तो वहीं, जोधपुर शहर में 18 हजार से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स ने इस योजना के लिए आवेदन किया है। इतना ही नहीं बीकानेर शहर में 14 हजार 68 , अजमेर शहर में 13 हजार 165, उदयपुर शहर में 10 हजार 665 सहित भीलवाड़ा, अलवर, श्रीगंगानगर, भरतपुर, हनुमानगढ़, ब्यावर और सवाईमाधोपुर शहरों के अलावा बाड़मेर, मकराना, दौसा, जैसलमेर, बालोतरा, सरदारशहर, राजसमंद, झालावाड़ा, सूरतगढ़, करौली सरीखे छोटे निकायों में भी हजारों की संख्या में स्ट्रीट वेंडर्स इस योजना के लाभांवित हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में अब तक 84 फीसदी से अधिक आवेदकों को योजना के तहत ऋण स्वीकृत किया जा चुका है वहीं, शेष आवेदकों को ऋण वितरण के लिए आवश्यक कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। स्ट्रीट वेंडर्स शहरी अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव हैं। वर्षों तक इन छोटे कारोबारियों को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से ऋण नहीं मिल पाता था और उन्हें ऊंची ब्याज दरों पर साहूकारों से कर्ज लेने को मजबूर होना पड़ता था। इन्हीं चुनौतियों को दूर करने के उद्देश्य से जून 2020 में प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना शुरू की गई। यह देश की पहली ऐसी सूक्ष्म वित्तीय योजना है, जो विशेष रूप से स्ट्रीट वेंडर्स के लिए तैयार की गई और जिसे केंद्र सरकार की क्रेडिट गारंटी का संरक्षण प्राप्त है।

सरकारी अस्पताल में डिलीवरी के बाद 5 प्रसूताओं की किडनी फेल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटा। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद महिलाओं की मौत का मामला अभी तक सुलझा नहीं था। इससे पहले अब बीकानेर के अस्पताल से बड़ी लापरवाही सामने आई है। पीबीएम अस्पताल में डिलीवरी के बाद प्रसूताओं की हालत गंभीर हुई तो जांच में किडनी फेल होने की बात सामने आई है। प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ने के बाद मंगलवार को चिकित्सा मंत्री गजेंद्र

सिंह खींवसर ने स्वास्थ्य भवन में हाईलेवल मीटिंग की। बैठक में चिकित्सा मंत्री ने बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ने से जुड़े मामले की विस्तार से अधिकारियों से जानकारी ली।

दोनों घटनाएं अलग-अलग हैं- चिकित्सा मंत्री

बैठक के बाद चिकित्सा मंत्री ने कहा कि बीकानेर प्रकरण को कोटा मामले से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। दोनों घटनाएं अलग-अलग हैं और उनकी परिस्थितियां भी भिन्न हैं। उन्होंने कहा कि बीकानेर में अलग-अलग समय पर मामले सामने आए हैं और सभी मामले सिजेरियन नहीं बल्कि, सामान्य प्रसव से भी जुड़े हुए हैं।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- »मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- »सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- »असाध्य घाव/शुगर के घाव
- »कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- »अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- »डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करेंः-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सतत प्रयासों से आरआरटीएस का विस्तार अब राजस्थान में भी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सतत प्रयासों से दिल्ली-गुरुग्राम-रेवाड़ी- एसएनबी-बहरोड़ आरआरटीएस कॉरिडोर (रीजनल रेपिड ट्रांजिट सिस्टम–आरआरटीएस) के राजस्थान खण्ड के क्रियान्वयन को महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली है। प्रथम चरण में इसे बहरोड़ तक बनाया जा रहा है तथा इसी के आधार पर परियोजना लागत एवं वित्तीय ढांचा तैयार करने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

इस परियोजना के संबंध में हरियाणा एवं राजस्थान के मध्य लागत साझेदारी पर दोनों राज्यों ने सहमति दे दी है। अब बावल से राजस्थान सीमा तक के खण्ड की परियोजना लागत का 50 प्रतिशत भाग हरियाणा सरकार द्वारा ही वहन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त राजस्थान सीमा से बहरोड़ तक के खण्ड की सम्पूर्ण लागत राजस्थान सरकार एवं उसकी संबद्ध संस्थाओं द्वारा वहन की जाएगी।

प्रस्तावित आरआरटीएस कॉरिडोर की कुल लंबाई लगभग 130 किलोमीटर होगी तथा इसमें कुल 19 स्टेशन विकसित किए जाएंगे। राजस्थान में इस परियोजना के अंतर्गत तीन स्टेशन शाहजहाँपुर, नीमराना तथा बहरोड में स्थापित किए जाने प्रस्तावित हैं। यह परियोजना राजस्थान के एनसीआर क्षेत्र के लिये लाईफ लाईन साबित होगी। इस परियोजना पूर्ण होने पर नई दिल्ली के सराय काले खाँ से बहरोड़ तक की यात्रा लगभग 1 घंटा 50 मिनट में पूरी की जा सकेगी। इससे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तथा राजस्थान के मध्य तीव्र, सुरक्षित एवं आधुनिक सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। इस परियोजना से एनसीआर में स्थित प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र शाहजहाँपुर, नीमराना, बहरोड, जापानीजोन, घीलोठ, केबीएनआईआर (खुशहेडा– भिवाडी– निमराना इनवेस्टमेंट रीजन) तथा राजस्थान के उभरते लॉजिस्टिक्स हब्स लाभान्वित होंगे। इससे इस क्षेत्र में निवेश, औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन, कौशल विकास तथा शहरीकरण को नई गति मिलेगी और आर्थिक गतिविधियां को बढ़ावा मिलेगा।

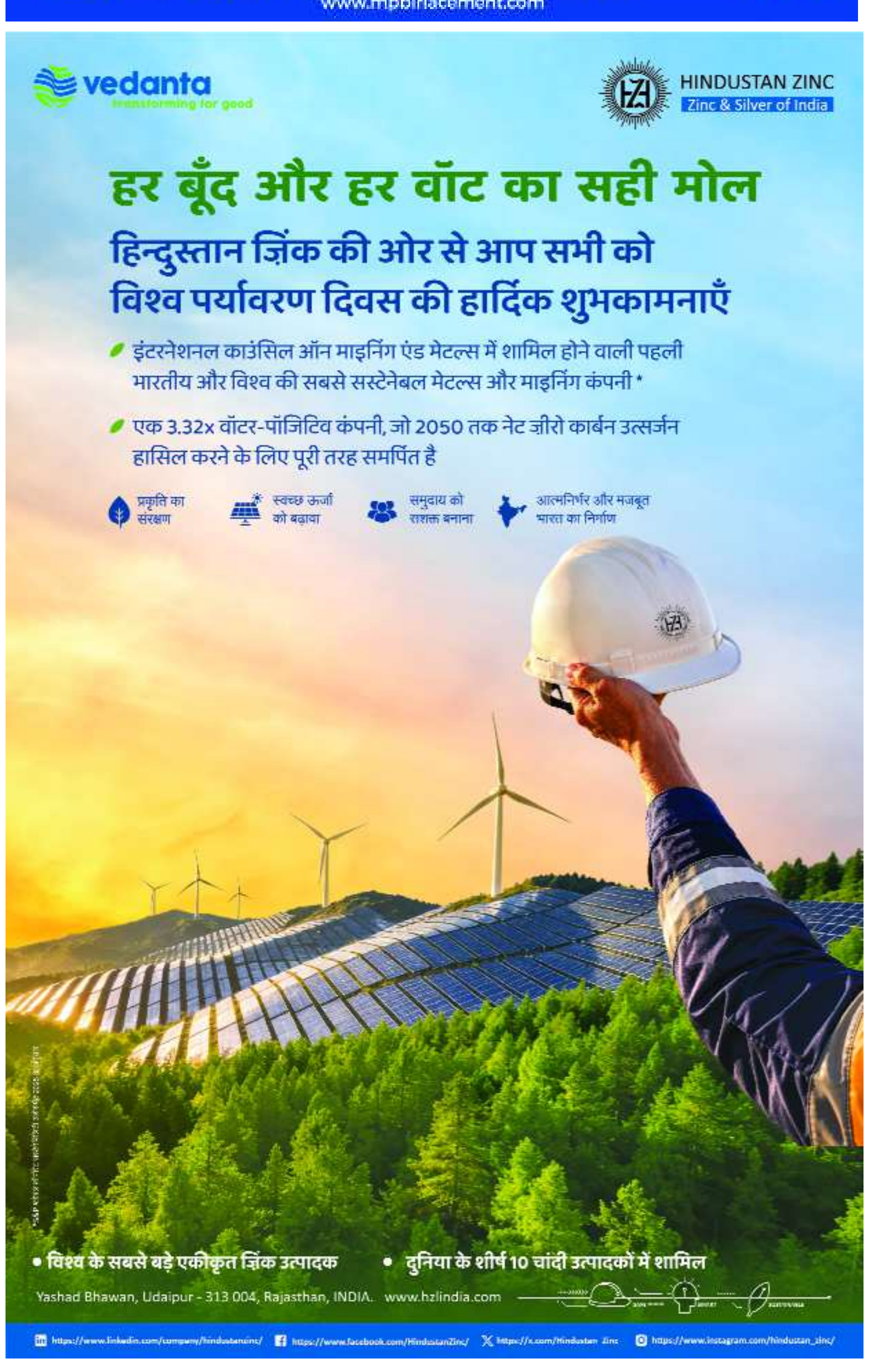

जागरूक जनता ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

20 दिनों में 5 ग्रह बदलेंगे राशि, 22 जून को कर्क में बनेगा त्रिग्रही योग, शिक्षा, तकनीक और कारोबार पर रहेगा असर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जून 2026 ग्रहों की चाल के लिहाज से वर्ष के सबसे महत्वपूर्ण महीनों में शामिल होने जा रहा है। इस माह मात्र 20 दिनों के भीतर पांच प्रमुख ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। वहीं 22 जून को कर्क राशि में बृहस्पति, शुक्र और बुध के एक साथ आने से त्रिग्रही योग का निर्माण होगा। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार यह योग शिक्षा, तकनीक, शोध, संचार, व्यापार और आर्थिक गतिविधियों पर व्यापक प्रभाव डाल सकता है। साकेत पंचांग के ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि देवगुरु बृहस्पति पहले ही कर्क राशि में प्रवेश कर चुके हैं। 8 जून को शुक्र प्रवेश कर गये। 22 जून को बुध भी कर्क राशि में पहुंचेंगे। तीनों ग्रहों की युति से बनने वाला त्रिग्रही योग ज्ञान, शिक्षा, परामर्श, शोध और नवाचार से जुड़े क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने बताया कि ज्योतिष शास्त्र में बृहस्पति कर्क राशि में उच्च के माने जाते हैं। ऐसे में कर्क राशि में बृहस्पति, बुध और शुक्र की उपस्थिति शिक्षा, वित्त, प्रशासन, सामाजिक प्रतिष्ठा तथा बौद्धिक गतिविधियों को विशेष बल प्रदान कर सकती है। विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं तथा तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए यह समय उपलब्धियों के अवसर लेकर आ सकता है।

गुरु-शुक्र युति से बढ़ेंगी नई संभावनाएं

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार गुरु और शुक्र स्वभाव से विपरीत ग्रह माने जाते हैं, लेकिन उनकी युति कई क्षेत्रों में नई संभावनाओं का द्वार खोलती है। शिक्षा, कला, मनोरंजन, मीडिया, प्रकाशन, ऑनलाइन कंटेंट, डिजिटल व्यवसाय और लग्जरी सेक्टर में नई गतिविधियां बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह अवधि रचनात्मक और बौद्धिक कार्यों के लिए अनुकूल रह सकती है।

29 जून से बुध होंगे वक्री, दस्तावेजी कार्यों में बरतनी होगी सावधानी

माह के अंत में 29 जून से बुध कर्क राशि में वक्री हो जाएंगे। बुध को व्यापार, संचार, लेखन, दस्तावेज और तकनीकी प्रणालियों का कारक ग्रह माना जाता है। वक्री अवस्था के दौरान सरकारी फाइलों में देरी, तकनीकी गड़बड़ियां, मोबाइल और इंटरनेट सेवाओं में व्यवधान, संचार संबंधी भ्रम तथा दस्तावेजी त्रुटियों की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री के अनुसार इस दौरान किसी भी महत्वपूर्ण अनुबंध, कानूनी दस्तावेज या बड़े आर्थिक निर्णय से पहले पूरी जांच-पड़ताल करना आवश्यक होगा। जल्दबाजी में लिए गए फैसले बाद में परेशानी का कारण बन सकते हैं।

शेयर बाजार में बढ़ सकती है अस्थिरता

ज्योतिषीय दृष्टि से बुध का संबंध व्यापार और बाजार से माना जाता है। ऐसे में वक्री बुध के दौरान शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, अफवाह आधारित कारोबार तथा निवेशकों की मनोदशा में अचानक बदलाव देखने को मिल सकता है। निवेश संबंधी मामलों में विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

सूर्य होंगे दक्षिणायन, मानसून पर भी रहेगी नजर

21 जून को सूर्य दक्षिणायन होंगे, जिसे भारतीय परंपरा में वर्षा ऋतु के आगमन का संकेत माना जाता है। कर्क राशि जल तत्व की राशि है और उसमें प्रमुख ग्रहों की उपस्थिति को परंपरागत कृषि ज्योतिष में वर्षा तथा कृषि गतिविधियों से जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में किसानों और कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों की नजर भी इस ग्रह स्थिति पर बनी हुई है।

20 दिनों में 5 प्रमुख ग्रह परिवर्तन

- » 8 जून : शुक्र का कर्क राशि में प्रवेश
- » 15 जून : मंगल का सिंह राशि में प्रवेश
- » 20 जून : सूर्य का मिथुन राशि में प्रवेश
- » 22 जून : बुध का कर्क राशि में प्रवेश, त्रिग्रही योग का निर्माण
- » 29 जून : बुध कर्क राशि में वक्री

ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री के अनुसार जून 2026 केवल ग्रह परिवर्तन का महीना नहीं, बल्कि शिक्षा, तकनीक, अर्थव्यवस्था और मौसम के स्तर पर महत्वपूर्ण संकेत देने वाला ज्योतिषीय कालखंड साबित हो सकता है। 20 दिनों में पांच ग्रहों का राशि परिवर्तन और कर्क राशि में बनने वाला त्रिग्रही योग वर्ष की प्रमुख ज्योतिषीय घटनाओं में शामिल माना जा रहा है।

जागरूक खबरें

अधिकमास का 15 को समापन, फिर गूंजेंगी शहनाइयां

जयपुर @ जागरूक जनता। ज्येष्ठ अधिकमास का 15 जून को समापन होगा। इसके साथ ही मांगलिक कार्य फिर से शुरू हो जाएंगे। करीब एक माह बाद शहर में फिर से शहनाइयां गूंजेंगी. देवशयनी एकादशी (25 जुलाई) तक करीब 18 दिन विवाह होंगे।

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में राजस्थान पुलिस के विशेष अभियान का व्यापक असर

प्रदेशव्यापी कार्रवाई में 8,448 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार प्रदेशभर में चलाए जा रहे विशेष यातायात एवं कानून पालन अभियान के तहत राजस्थान पुलिस ने आठवें दिन व्यापक कार्रवाई करते हुए 8,448 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की। अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा को मजबूत करना, यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करना तथा आमजन में जिम्मेदार वाहन संचालन के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। डीजी ट्रैफिक अनिल पालीवाल के पर्यवेक्षण में चल रहे अभियान के बारे में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस यातायात डॉ बी एल मीणा ने बताया कि अभियान के दौरान पुलिस ने वाहनों में अवैध संरचनात्मक परिवर्तन, अनधिकृत लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर एवं स्ट्रोब लाइट, प्रेशर हॉर्न, काली फिल्म, वाहनों पर अनधिकृत शब्द एवं चिन्ह तथा नियम विरुद्ध नम्बर प्लेट लगाने जैसे उल्लंघनों पर विशेष कार्रवाई की।

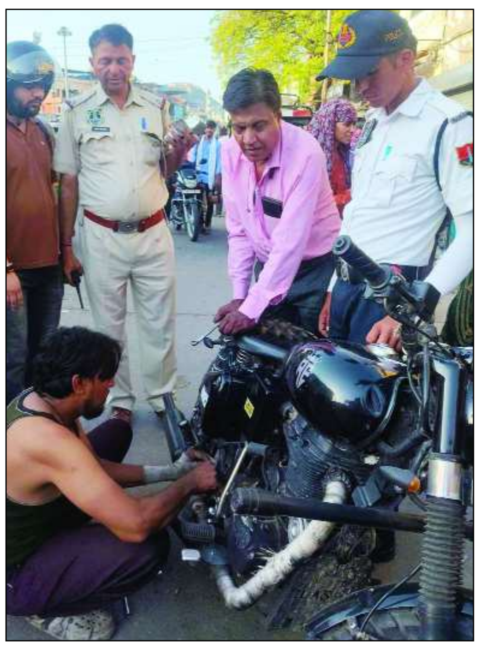

ब्लैक फिल्म और वीआईपी स्टाइल नंबर प्लेट का सबसे ज्यादा क्रेज

- » आंकड़ों के विश्लेषण से साफ है कि प्रदेश में लोग सबसे ज्यादा सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना कर रहे हैं।
- » पूरे राज्य में सबसे ज्यादा 3,264 कार्रवाई वाहनों के शीशे पर लगी काली फिल्म के खिलाफ की गई।
- » नियम विरुद्ध और वीआईपी स्टाइल में नंबर प्लेट लगाने वाले 2,079 वाहन चालक पुलिस के हत्थे चढ़े।
- » अपनी गाड़ियों पर अवैध रूप से पद, जाति या अनाधिकृत शब्द लिखने वाले 1,204 लोगों के खिलाफ कार्रवाई हुई।
- » बिना अनुमति के गाड़ी की चेसिस या बॉडी को मॉडिफाई कराने वाले 861 वाहनों पर भी डंडा चला है।

बत्तीबाज़ों और प्रेशर हॉर्न पर भी कड़ा प्रहार

सड़कों पर बेवजह रौब झाड़ने और शोर मचाने वालों को भी पुलिस ने नहीं बख्शा। राज्यभर में 544 ऐसे मामले सामने आए जहां गाड़ियों पर अनाधिकृत रूप से लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर या हूटर लगे हुए थे। वहीं, ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले 496 प्रेशर हॉर्न और एयर हॉर्न के खिलाफ भी पुलिस ने सख्त एक्शन लिया है। पटाखे की ध्वनि करती बुलेट गाड़ियों के विरुद्ध भी कार्यवाही की जा रही है। अभियान में कोटा शहर सर्वाधिक 572 कार्रवाइयों के साथ प्रथम स्थान पर रहा, जबकि अजमेर में 416, बाड़मेर में 340, चित्तौड़गढ़ में 311 तथा भरतपुर में 309 कार्रवाइयाँ दर्ज की गईं। वहीं भीलवाड़ा में 281, झुंझुनूं में 257, जयपुर ग्रामीण में 247 तथा उदयपुर में 215 कार्रवाई कर नियम उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्रभावी कदम उठाए गए। जयपुर यातायात पुलिस ने भी अभियान में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए 320 मामलों में कार्रवाई की, जबकि जोधपुर ट्रैफिक पुलिस ने 180 और जयपुर ग्रामीण पुलिस ने 247 मामलों में नियम उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की।

महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने सभी पुलिस इकाइयों को निर्देश दिए हैं कि सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए ऐसे अभियान निरंतर जारी रखे जाएं। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामाजिक जिम्मेदारी भी है। राजस्थान पुलिस का उद्देश्य दंडात्मक कार्रवाई के साथ-साथ जागरूकता बढ़ाकर सुरक्षित और अनुशासित यातायात व्यवस्था स्थापित करना है।

नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव

एससी जाने की तैयारी में सरकार! मंत्री खर्रा के संकेत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नगरीय निकायों व पंचायत चुनावों के मामले में राज्य सरकार हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की तैयारी में है। सरकार जल्द ही विशेष अनुमति याचिका दायर कर सकती है। स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने इसके संकेत देते हुए कहा कि इस संबंध में मंथन किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट से चुनाव कराने के लिए अतिरिक्त समय मांग सकती है। संभावना है कि सरकार सितंबर तक का समय देने का अनुरोध करे।

विचार-विमर्श चल रहा है

सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर करने को लेकर कानूनी पहलुओं पर विचार-विमर्श चल रहा है। सरकार लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। चुनाव से जुड़ी प्रक्रियाएं निर्वाचन आयोग को करनी है।

झाबर सिंह खर्रा,
स्वायत्त शासन मंत्री

31 जुलाई चुनाव कराने के दिए हैं निर्देश

राजस्थान हाई कोर्ट ने 22 मई को राजस्थान सरकार को पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव को 31 जुलाई 2026 तक पूरा कराने की सख्त समय सीमा तय की है। उम्मीद की जा रही थी कि प्रदेश में पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव का बिगुल फूंक दिया जाएगा। पर गौर करें तो जमीनी हकीकत इसके विपरीत है। राजस्थान हाई कोर्ट के आदेश के 13 दिन बीत गए हैं। पर चुनाव कराने की तेजी नहीं दिखाई दे रही है। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जिला निर्वाचन अधिकारियों के लिए अभी तक कोई भी नया आधिकारिक परिपत्र या मार्गदर्शिका जारी नहीं की गई है। दरअसल, इससे पूर्व में भी एक अदालती आदेश के अनुसार राजस्थान सरकार को हर हाल में 15 अप्रैल 2026 तक पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव कराने की कड़े निर्देश दिए गए थे। पर चुनाव नहीं हो सके।

OBC आयोग की आरक्षण रिपोर्ट है सबसे रोड़ा

राजस्थान में पंचायत-निकाय चुनाव की घोषणा और वार्डों के पुनर्गठन की राह में सबसे बड़ा तकनीकी रोड़ा राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की अंतिम रिपोर्ट का लंबित होना है। नियमों के अनुसार, सीटों के आरक्षण का सही और नया खाका तैयार किए बिना चुनाव की तारीखों का ऐलान संभव नहीं है। वर्तमान में राज्य ओबीसी आयोग आरक्षण निर्धारण की इस पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से पूरा करने की दिशा में दिन-रात काम कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, अभी भी राजस्थान की 400 से अधिक ऐसी ग्राम पंचायतें और अन्य जरूरी स्थानीय निकाय क्षेत्र हैं, जहां से आयोग को महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय आंकड़े प्राप्त होना बाकी है। काम पूरा होने पर ओबीसी आयोग अपनी अंतिम रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। इस रिपोर्ट के आने के बाद ही रोटेशन के आधार पर ओबीसी वर्ग के लिए सीटों का आरक्षण तय हो पाएगा।

खण्डर बना निगम का सुलभ कॉम्पलैक्स

जयपुर @ जागरूक जनता। विद्याधर नगर, आरपीए रोड, मोक्षधाम के पास जे.पी. कॉलोनी कच्ची बस्ती के सामने नगर निगम द्वारा बनाए गए सुलभ कॉम्पलैक्स अब पूरी तरह खण्डर बन चुका है। देखरेख के अभाव में यहां मलबा पड़ा हुआ है। गेट, जालियां टूटी हुई है। वहीं बाहर थड़ी, ठेलों का अम्बार लगा हुआ है।

शेखावाटी हॉस्पिटल, विद्याधर नगर द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

जयपुर @ जागरूक जनता। शेखावाटी हॉस्पिटल, विद्याधर नगर द्वारा मुरलीपुरा क्षेत्र में एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आमजन के लिए ब्लड प्रेशर (बीपी), शुगर, ईसीजी एवं लिपिड प्रोफाइल की जांच निःशुल्क की गई। जय हिन्द शुभकामना ग्रुप जयपुर के संयोजक नगेन्द्र वशिष्ठ ने ग्रुप सदस्य लोकचंद हरिरामानी, मोहन नामदेव, छगन लाल रोज, पुष्पा वशिष्ठ के साथ इस पुनीत कार्य के लिये सभी हॉस्पिटल कैम्प के सदस्यों का माला, दुपट्टा उढ़ा कर सम्मान किया। इस चिकित्सा शिविर मे सैकड़ों लोगों ने लाभ उठाया तथा अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। शिविर में डॉ. विकास, डॉ. एस.पी. यादव, माया मैडम, मंजू चौधरी, कमलेश कुमार सैनी, मोनू अग्रवाल एवं मोहित यादव सहित अनेक समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। शिविर के दौरान लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए बीपी शुगर रोगियों को आहार सम्बन्धी जानकारी भी दी गई।

जयपुर-दिल्ली हाईवे

24 घंटे डिजिटल निगरानी, सीट बेल्ट नहीं लगाई तो तुरंत कटेगा चालान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर हाईटेक बीम कैमरों की तैनाती के बाद यातायात नियमों की अनदेखी अब वाहन चालकों को भारी पड़ रही है। 24 घंटे डिजिटल निगरानी के चलते सीट बेल्ट नहीं लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई में तेजी आई है। यही कारण है कि सीट बेल्ट उल्लंघन के मामलों में कोटपूतली-बहरोड़ जिला प्रदेश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। जिले में अब तक 15 हजार 319 ई-चालान जारी किए जा चुके हैं।

सड़क दुर्घटनाओं में मौत और गंभीर चोटों को कम करने के उद्देश्य से सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य किया गया है, लेकिन बड़ी संख्या में चालक अब भी इस नियम की अनदेखी कर रहे हैं। जयपुर-दिल्ली हाईवे पर शाहजहांपुर से भाबरू तक कोटपूतली-बहरोड़ जिले की सीमा में 8 हाईटेक बीम कैमरे लगाए गए हैं, जबकि जयपुर ग्रामीण क्षेत्र में भी 8 कैमरे सक्रिय हैं। इनके संचालन के बाद यातायात नियम उल्लंघन के मामलों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

सीट बेल्ट चालान, प्रदेश में दूसरा स्थान

सीट बेल्ट उल्लंघन के मामलों में अजमेर जिला 17,442 चालानों के साथ पहले स्थान पर है। वहीं कोटपूतली-बहरोड़ 15,319 चालानों के साथ दूसरे और जयपुर ग्रामीण 14,409 चालानों के साथ तीसरे स्थान पर है।

हाईवे पर दोहरी निगरानी व्यवस्था

अब राजमार्ग पर वाहनों की निगरानी केवल पुलिस और परिवहन विभाग तक सीमित नहीं है। टोल प्लाजा और सड़क किनारे लगे अत्याधुनिक कैमरे मिलकर वाहनों की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। टोल प्लाजा पर लगे कैमरे वाहनों के दस्तावेजों की जांच करते हैं, जबकि बीम कैमरे यातायात नियमों के उल्लंघन को स्वतः रिकॉर्ड कर ई-चालान जारी करते हैं।

सीधे मोबाइल पर पहुंचता है ई-चालान

पहले यातायात पुलिस वाहन रोककर चालान करती थी, लेकिन अब पूरी प्रक्रिया डिजिटल हो चुकी है। कैमरे नियम उल्लंघन को रिकॉर्ड करते हैं और वाहन के पंजीकरण विवरण के आधार पर ई-चालान सीधे वाहन मालिक के नाम जारी हो जाता है। इसकी सूचना मोबाइल फोन पर संदेश के माध्यम से भेजी जाती है। प्रशासन का मानना है कि तकनीक आधारित निगरानी से यातायात नियमों के पालन की संस्कृति विकसित होगी और सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

हाईटेक बीम कैमरे से नियम उल्लंघन के मामलों में कार्रवाई बढ़ी है। ज्यादा चालान सीट बेल्ट नहीं लगाने के हैं। इससे वाहन चालकों में नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और सड़क सुरक्षा को मजबूती मिलेगी।

नाजिम अली, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, कोटपूतली

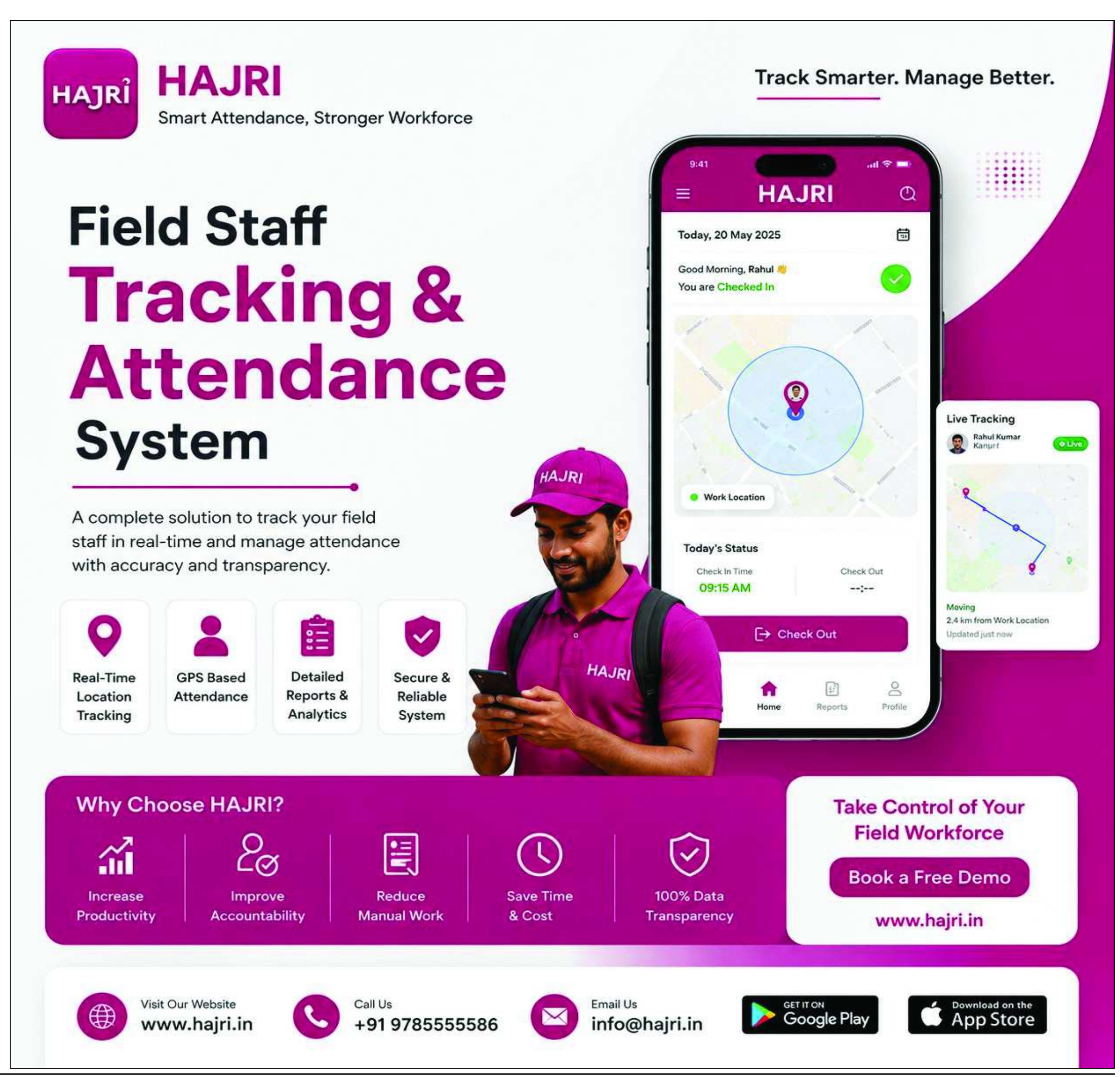

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में सचिवों की समिति की बैठक आयोजित

ई-फाइलों के निस्तारण की प्रक्रिया को और सरल बनाया जाए-श्रीनिवास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव श्री वी.श्रीनिवास की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में सचिवों की समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव एवं शासन सचिव उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति, बजटीय प्रावधानों के विरुद्ध निधियों के उपयोग तथा जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने योजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचे। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रशासनिक प्रक्रियाओं में अनावश्यक विलंब समाप्त करने के लिए ई-फाइलों के निस्तारण की प्रक्रिया को और सरल बनाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि ई-फाइल को जिन विभिन्न स्तरों से होकर गुजरना पड़ता है, उनकी संख्या यथासंभव कम की जाए ताकि निर्णय प्रक्रिया में तेजी आए तथा प्रशासन अधिक दक्ष एवं उत्तरदायी बन सके। उन्होंने विभागों को लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण पर विशेष ध्यान देने के लिए भी कहा।

बैठक में मुख्य सचिव ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान जैसे जनभागीदारी आधारित अभियानों में व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी जनजागरूकता एवं आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर समाज की सक्रिय भागीदारी अभियान की सफलता की कुंजी है तथा विभागों को स्थानीय स्तर पर व्यापक संवाद एवं सहभागिता को बढ़ावा देना चाहिए। मुख्य सचिव ने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष बल दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि शिकायतों का निपटारा निर्धारित समय सीमा में उचित माध्यम से किया जाए। साथ ही, पोर्टल एवं हेल्पलाइन पर कार्यरत शिकायत निवारण अधिकारियों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए ताकि शिकायतों के प्रभावी एवं त्वरित समाधान की व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो सके। उन्होंने विधानसभा सदस्यों द्वारा पूछे गए लंबित प्रश्नों के उत्तर भी शीघ्र एवं तथ्यपरक रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान विभिन्न विभागों की कार्य रिपोर्टों की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने विभागों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि अंतर्विभागीय विषयों पर प्रभावी सहयोग एवं संवाद से योजनाओं के बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने इज़ ऑफ डूइंग बिज़नस के संबंध में प्रदेश की डी-रेगुलेशन सेल एवं राजनिवेश पोर्टल के उत्कृष्ट प्रदर्शन सहित विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की।

सीएम भजनलाल ने पत्नी संग गिरिराजजी परिक्रमा की, दंडवत से की शुरुआत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पत्नी गीता शर्मा के साथ गिरिराज महाराज की सात कोसीय परिक्रमा पूर्ण की। पूंछरी स्थित श्रीनाथजी मंदिर से सीएम दंपति ने सात दंडवत कर परिक्रमा की शुरुआत की। परिक्रमा मार्ग में जगह-जगह सीएम का भव्य स्वागत हुआ। श्रद्धालु 'राधे-राधे' के जयकारों के साथ उनकी एक झलक पाने को परिक्रमा मार्ग के किनारे खड़े रहे।

राधा कुंड में दीपदान की

सीएम भजनलाल शर्मा ने परिक्रमा के दौरान दानघाटी मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद राधाकुंड पहुंचकर दीपदान किया। खास बात ये रही कि राधाकुंड में सीएम ने स्थानीय चाय की थड़ी पर रुककर चाय का आनंद भी लिया।

श्रद्धालुओं से की बातचीत

परिक्रमा के दौरान सीएम ने दंडवत कर रहे श्रद्धालुओं से रुककर बातचीत की। श्रद्धालुओं का हालचाल जाना और अभिवादन स्वीकार किया। परिक्रमा पूरी करने से पहले वह अपनी पूंछरी स्थित प्याऊ पर 5 मिनट बैठकर व्यवस्थाओं को देखा। ष्टरू के आगे-आगे भजन-कीर्तन करती मंडली चल रही थी। पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।

200 पुलिसकर्मी सुरक्षा में तैनात

सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे। उत्तर प्रदेश के मथुरा और राजस्थान के डीग जिले के करीब 200 पुलिसकर्मी ष्टरूकी सुरक्षा में तैनात रहे। सीएम ने करीब 7 घंटे में सप्त कोशीय परिक्रमा पूर्ण की। परिक्रमा का समापन भी पूंछरी स्थित श्रीनाथजी मंदिर में ही किया गया। सीएम ने कहा कि गिरिराज महाराज की कृपा से ही परिक्रमा निर्विघ्न पूरी हुई। ब्रज की परंपरा और आस्था को नमन किया देश प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

पीएम कुसुम योजना : ऊर्जादाताओं को मिलेंगे 531 करोड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पीएम-कुसम योजना के कम्पोनेंट-सी में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर देश की ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रहे प्रदेश के 553 ऊर्जादाताओं के लिए भारत सरकार ने 531 करोड़ रूपए की केन्द्रीय वित्तीय सहायता मंजूर की है। इस राशि का भुगतान अजमेर एवं जोधपुर विद्युत वितरण निगम द्वारा शीघ्र ही संबंधित ऊर्जादाताओं के बैंक खातों में किया जाएगा। केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने इसके अन्तर्गत 429 मेगावाट के संयंत्र लगाने वाले जोधपुर विद्युत वितरण निगम के 432 ऊर्जादाताओं को 379.41 करोड़ रूपए तथा 169 मेगावाट क्षमता के प्लांट लगाने वाले अजमेर डिस्कॉम के 121 सौर ऊर्जा उत्पादकों के लिए 151.21 करोड़ की सहायता स्वीकृत की है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान डिस्कॉम्स द्वारा केन्द्रीय वित्तीय सहायता के क्लेम जल्द प्रस्तुत करने के लिए सौर ऊर्जा उत्पादकों को पूर्ण सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इसका परिणाम है कि सौर ऊर्जा उत्पादकों को लगातार केन्द्रीय वित्तीय सहायता मिल रही है। अब तक जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर विद्युत वितरण निगमों द्वारा कुल 1012 करोड़ रूपए की केन्द्रीय वित्तीय सहायता के क्लेम केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के समक्ष प्रस्तुत किए जा चुके हैं।

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" के अंतर्गत राज्यपाल ने विद्यार्थियों से किया संवाद

संस्कृति और परंपराओं में आरम्भ से ही श्रेष्ठ रहा है भारत-राज्यपाल

ट्रिपल आईटी, कर्नाटक के विद्यार्थियों ने की राज्यपाल से मुलाकात,

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से मंगलवार को लोकभवन में आईआईआईटी धारवाड़, कर्नाटक के विद्यार्थियों ने मुलाकात की। "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के अंतर्गत राज्यपाल ने इन विद्यार्थियों का अभिनन्दन करते हुए उनसे संवाद किया।

राज्यपाल ने कहा कि भारत की सीमाएं प्राचीन काल में आज से बहुत अधिक विस्तृत थीं। उन्होंने कहा कि आज का अफ़ग़ानिस्तान, गांधार और कंबोज, पाकिस्तान, बांग्लादेश, और म्यांमार भारत के ही विशाल साम्राज्य का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि विश्व में सर्वाधिक 19 विश्वविद्यालय भारत में थे। सुदूर देशों से लोग भारत में पढ़ने आते थे। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत के लोगों की बौद्धिक क्षमता बहुत अधिक थी। बप्पा रावल के नाम से ही रावल पिंडी स्थान का नामकरण हुआ। उन्होंने कहा कि भारत संस्कृति और परंपराओं में आरम्भ से ही श्रेष्ठ रहा है। इसे फिर से श्रेष्ठ बनाने की आवश्यकता है।

राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें प्राचीन गौरव की अनुभूति कराते युवाओं को सभी क्षेत्र में अग्रणी करने पर जोर है। उन्होंने राजस्थान के आदिवासी क्षेत्र की वीरांगना कालीबाई के बारे में भी कर्नाटक के विद्यार्थियों को विस्तार से बताया और कहा कि स्वाधीनता संग्राम में कालीबाई की महती भूमिका रही। उन्होंने कहा कि भारत श्रेष्ठ रहा है, इसका इतिहास प्रौद्योगिकी के विद्यार्थियों को पता होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के युवा प्रतिभाशाली बने, इसी उद्देश्य से "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के साथ विकसित भारत का संकल्प संजोया गया है। इससे पहले राज्यपाल ने विद्यार्थियों को संवाद में राजस्थान के भूगोल, संस्कृति के बारे में बताते हुए सरदार सरोवर से नर्मदा जल को राजस्थान में लाए जाने, राजस्थान के ऐतिहासिक चितौड़गढ़ दुर्ग, विश्व की सबसे बड़ी पक्की नगर गंग नहर के इतिहास के बारे में रोचक ढंग से जानकारियां दी। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी भी उपस्थित रहे।

वित्त (कर) विभाग के विशिष्ट शासन सचिव नथमल डिडेल ने किया राजस्थान संपर्क पोर्टल (181) का औचक निरीक्षण

त्वरित समाधान से लाभार्थियों के चेहरे खिले, मुख्यमंत्री का जताया आभार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। वित्त (कर) विभाग के विशिष्ट शासन सचिव नथमल डिडेल ने मंगलवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क पोर्टल (181) का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वित्त विभाग से संबंधित आमजन की शिकायतों के निवारण की स्थिति, पोर्टल की कार्यप्रणाली और दर्ज प्रकरणों के निस्तारण की प्रगति का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान डिडेल ने 'राजस्थान संपर्क स्टेट व्यू' डैशबोर्ड के माध्यम से वित्त विभाग से जुड़े लोक सेवा गारंटी और अन्य परिवेदनाओं के आंकड़ों का लाइव अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनभावनाओं के अनुरूप आमजन की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। पोर्टल पर उपलब्ध सांख्यिकी की समीक्षा करते हुए विशिष्ट शासन सचिव ने बताया कि वित्त विभाग के अंतर्गत अब तक कुल 1,024 शिकायतें पंजीकृत की गई हैं, जिनमें से 913 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया जा चुका है, उन्होंने अधिकारियों को इन लंबित मामलों को तय समय-सीमा में जांच कर क्लोज करने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान डिडेल ने अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कर आमजन को अधिक से अधिक राहत पहुंचाने के लिए पाबंद किया।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से की शिष्टाचार भेंट

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने चंडीगढ प्रवास के दौरान मंगलवार को लोक भवन पंजाब में राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने राज्यपाल कटारिया का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा राजस्थान विधानसभा का स्मृति चिह्न भेंट कर अभिवादन किया। देवनानी ने राज्यपाल कटारिया को विधानसभा भवन के विभिन्न द्वारों के नामकरण की अवधारणा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विधानसभा के प्रमुख द्वारों को कर्तव्य द्वार, शक्ति द्वार, सुशासन द्वार, संकल्प द्वार एवं शौर्य द्वार नाम देकर लोकतंत्र के मूल आदर्शों और जनप्रतिनिधियों के दायित्वों को प्रतीकात्मक रूप से अभिव्यक्त किया गया है। उन्होंने कटारिया को बताया कि विधानसभा भवन के बाहरी द्वारों को राजस्थान के विभिन्न अंचलों बृज, शेखावाटी, वागड़, हाड़ौती, मारवाड़, मेवाड़, मेरवाड़ा एवं ढूंढाड़ के नाम समर्पित कर राज्य की सांस्कृतिक विविधता, लोक परंपराओं और क्षेत्रीय गौरव को लोकतांत्रिक व्यवस्था से जोड़ने का प्रयास किया गया है।

सम्पादकीय

पेट्रोलियम मूल्य निर्धारण की उलझी पहेली

कितने लोगों को याद है कि सरकार ने वर्ष 2002 में पेट्रोलियम उत्पादों के लिए प्रशासित मूल्य निर्धारण तंत्र (एपीएम) खत्म कर दिया था और उसी वर्ष 1 अप्रैल से पेट्रोल एवं डीजल के लिए बाजार आधारित मूल्य निर्धारण का ऐलान किया था? तब से दो दशक गुजर जाने के बाद भी सरकार यह निर्णय लागू करने में सक्षम नहीं है जो इससे जुड़ी जटिलताओं का संकेत समझा जा सकता है। अफसोस की बात है कि उस विषय पर सिर्फ वर्तमान हालात जैसे समय में ही गंभीर जिक्र होता है। इस बात को सभी जानते हैं कि पेट्रोलियम उत्पादों का मूल्य निर्धारण राजनीतिक रूप से एक संवेदनशील विषय है, मगर अब समय आ गया है कि सरकार इस संबंध में कड़े कदम उठाए, कठोर निर्णय ले और उन पर कायम रहे। सबसे पहले कुछ तथ्यों पर विचार कर लेते हैं। ऊर्जा समूह (बास्केट) में तेल एवं गैस का अनुपात पिछले दो दशकों में लगभग स्थिर रहा है। यह वर्ष 2000 में लगभग 32 फीसदी था जबकि अब 31 फीसदी है। नवीकरणीय ऊर्जा पर बढ़ते जोर, संरक्षण के विभिन्न प्रयासों और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने की योजनाओं के बावजूद तेल एवं गैस की घरेलू खपत में त्वरित कमी आने की गुंजाइश नहीं दिख रही है। समय के साथ तेल और गैस आयात पर हमारी निर्भरता बढ़ती ही जा रही है। वर्तमान में यह घरेलू खपत का क्रमशः लगभग 85 फीसदी और 50 फीसदी है। भारत का क'चा तेल आयात कुल वैश्विक तेल आयात का लगभग 12 फीसदी है और भारत अंतरराष्ट्रीय बाजार में मूल्य निर्धारण करने की स्थिति से बहुत दूर है। तेल एवं गैस अर्थव्यवस्था का एक और अहम पहलू यह है कि केंद्र एवं रा'य सरकारों के अप्रत्यक्ष कर राजस्व का एक बड़ा हिस्सा इन्हीं वस्तुओं से आता है। यही कारण है कि इन्हें अब तक माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में नहीं लाया जा सका है। सरकार निगम कर और सरकारी स्वामित्व वाली तेल एवं गैस कंपनियों से लाभांश के जरिये भी राजस्व अर्जित करती है। सरकार के सामने तीन तरफा चुनौतियां हैं यानी घरेलू कीमतें नियंत्रित रखना, कर राजस्व में नुकसान से बचना और विदेशी मुद्रा व्यय एवं चालू खाता घाटा नियंत्रित करना। मौजूदा चुनौतीपूर्ण हालात इस व्यवस्था के लिए एक गंभीर परीक्षा साबित होते हैं। स्वाभाविक रूप से सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के नुकसान सहन करने की एक सीमा होती है। यह कोई नहीं जानता कि वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति कब तक बनी रहेगी। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि ओएमसी सूचीबद्ध कंपनियां हैं जो सार्वजनिक शेयरधारकों के प्रति जवाबदेह हैं। जहां तक सरकार की बात है तो उसके पास यह बोझ उठाने के लिए राजकोषीय मोर्चे पर गुंजाइश बहुत कम है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) रुपये को एक सीमा तक ही सहारा दे सकता है। मौजूदा प्रतिकूल हालात में रुपये में गिरावट थामना एक कठिन चुनौती है। बाजार और उपभोक्ताओं को सही मूल्य निर्धारण का संकेत देने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है। महज बचत की अपील और आह्वान कारगर नहीं होंगे। इससे मुद्रास्फीति बढ़नी तय है, यह टाली नहीं जी सकती। कीमतों को अस्वाभाविक रूप से दबाए रखने से अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होता है। भविष्य में सरकार को लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊंचे दाम से निपटने के लिए सिद्धांत-आधारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू करनी चाहिए।

100 दिनों के युद्ध के बाद भी नहीं झुका ईरान, लेकिन दुनिया पर गहराया तेल संकट

दिलीप शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से वैश्विक तेल संकट गहरा गया है। भारत सहित पूरी दुनिया में आर्थिक मंदी और महंगाई का खतरा बढ़ गया है

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आ **अमेरिका** और इजरायल द्वारा ईरान पर संयुक्त हमलों की शुरुआत को 100 दिन से अधिक वक्त हो गया। इन हमलों को क्रमशः एपिक फ्यूरी और राइजिंग लॉयन का नाम दिया गया था। अब यह युद्ध पहले विश्व युद्ध की लड़ाई के उस हिस्से की तरह हो गया है जहां दोनों ही पक्ष बिना किसी उल्लेखनीय सफलता के लगातार लड़ रहे हैं।

अयातुल्लाह खामनेई सहित कुछ शीर्ष नेताओं के मारे जाने, अहम बुनियादी ढांचे को व्यापक तौर पर नष्ट किए जाने और करीब 3,500 मौतों के बावजूद ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम समाप्त करने और हिजबुल्ला जैसे राजनीतिक साझेदारों को त्यागने की अमेरिका और इजरायल की मांग के समक्ष नहीं झुका है। यह संघर्ष पूरे पश्चिम एशिया में फैल गया है जहां अमेरिका के क्षेत्रीय सहयोगी कतर, बहरीन और यूएई अपने तेल और गैस बुनियादी ढांचे के विनाशकारी नुकसान का सामना कर रहे हैं। पाकिस्तान द्वारा कराई गई युद्ध विराम वार्ता में कोई प्रगति नहीं हुई क्योंकि दोनों पक्ष अपनी अधिकतम मांगों से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

इस बीच शेष विश्व को इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है क्योंकि ईरान और अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के दोनों सिरों को अवरुद्ध कर रखा है। यही वह मार्ग है जहां से दुनिया के कुल कच्चे तेल और गैस का करीब 40 फीसदी आता-जाता है। लड़ाई के पहले जहां इस मार्ग से रोज करीब 100 से अधिक पोत निकलते थे वहीं अब इनकी संख्या घटकर 7 रह गई है। इसके चलते असाधारण वैश्विक तेल संकट उत्पन्न हुआ है और ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल का स्तर पार कर गया है जो 28 फरवरी के 72 डॉलर से बहुत अधिक है।

करीब 146 देशों ने पेट्रोल की कीमतों में 40 से 90 फीसदी? की बढ़ोतरी की है। केवल भारत ही ऐसा देश है जिसने महज 7.7 फीसदी का इजाफा किया है। जीवाश्म ईंधन की कमी का असर मूल्य वृद्धि के रूप में सामने है। उदाहरण के लिए भारत में उद्योगों को गैस आपूर्ति सीमित किए जाने के कारण छोटे और मझोले उपक्रमों को बंदी का सामना करना पड़ा है। इसके चलते प्रवासी श्रमिक अपने गांवों को लौटने को मजबूर हुए हैं। यह कोविड-19 के शुरुआती दिनों की याद दिलाता है। उर्वरक कीमतों में वृद्धि के कारण वैश्विक खाद्य आपूर्ति भी जोखिम में है। प्रमुख वैश्विक बाजार सूचकांकों में गिरावट आई है। अकेले भारत से निवेशकों ने लाखों करोड़ रुपये की निकासी की है और रुपया लगातार कमजोर हुआ है।

दोनों पक्षों ने आकलन में कुछ हद तक गलती की है। अमेरिका की यह मांग ईरान को पूरी तरह अस्वीकार्य है कि वह यूरेनियम संवर्धन पूरी तरह बंद कर दे और सऊदी अरब को केंद्र बनाकर अंतरराष्ट्रीय निगरानी के तहत एक क्षेत्रीय संघ को प्राथमिकता दे। ऐसा खासकर इसलिए है क्योंकि इजरायल परमाणु शक्ति बन चुका है, उसकी क्षेत्रीय खुफिया नेटवर्क तक पहुंच और विस्तारवादी महत्त्वाकांक्षाएं भी हैं। यही तर्क अमेरिका की उस मांग पर भी लागू होता है जिसमें ईरान से 60 फीसदी शुद्धता तक संवर्धित (जो सैन्य स्तर से नीचे है) यूरेनियम भंडार सौंपने को कहा गया है। अमेरिका इस सुझाव से सहमत नहीं है कि इन चर्चाओं को होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत फिर से खोलने और ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाने से अलग रखा जाए। अब तक केवल इजरायल को लाभ हुआ है। उसने लेबनान के 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा कर लिया है और क्रमशः गाजा पट्टी और पश्चिमी किनारे के 60 फीसदी से अधिक हिस्से पर उसका नियंत्रण है। अब लड़ाकों ने एक-दूसरे पर हमले फिर से शुरू कर दिए हैं जो प्रतिशोधी छापामार हमलों के अंतहीन चक्र में बदल गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप, जिन्होंने यह लड़ाई शुरू की थी, अब असहाय होकर ईरान और इजरायल से तुरंत गोलीबारी बंद करने की मांग कर रहे हैं। यह दर्शाता है कि अमेरिका अपने सहयोगी पर नियंत्रण खो चुका है। परिणामस्वरूप पश्चिम एशिया, जो वैश्विक वित्त और निवेश का जीवंत केंद्र था ठहराव की स्थिति में आ गया है और दुनिया एक ऐसे संकट में धकेल दी गई है जिसका निकट भविष्य में कोई अंत दिखाई नहीं देता।

जवान वो है जो ज़माने को बदल देता है

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

जागरूक जनता विश्वसनीय हिन्दी अखबार
आखरआखर झरे उजियार

अक्सर होता यह है कि उम्र के चौथेपन के पड़ाव पर लोग अपने को बुजुर्ग की श्रेणी में रख लेते हैं। एक तरह से वो हाशिये की जिन्दगी जीने लगते हैं। ये बिल्कुल ठीक नहीं है। हमारे भारतीय समाज में वृद्ध व्यक्ति को वरिष्ठ नागरिक की संज्ञा दी जाती है। वरिष्ठ जन जिन्दगी की हर गली से गुजर कर आते हैं। विपरीत परिस्थितियों की आंच में तप कर आते हैं। विकट समस्याओं को हल करने का तजुर्बा उनके पास होता है। अधिकतर वरिष्ठ लोग ज्ञान और अनुभव की दृष्टि से समृद्ध होते हैं।

आज के दौर में हम देखते हैं कि उचित आहार विहार और खुशमिजाज़ अंदाज़ में जीने वाले बुजुर्ग जैसे अपने युवापन का पुनरावलोकन करते प्रतीत होते हैं। प्रातः काल पार्क में ऐसे बुजुर्ग महिला पुरुष दिखाई देते हैं जो तेज़ रफ़्तार से घूमने आते हैं। गप्पे लड़ाते हैं, हास्य क्लब में सक्रियता से भाग लेते हैं। वो जानते हैं कि उम्र एक नंबर है। ऐसे वरिष्ठ जन में युवा जैसी स्फूर्ति और सक्रियता देखने को मिलती है।

उम्र के हर मुकाम पर अपने को स्वस्थ, सशक्त और तंदुरुस्त बनाये रखने की उमंग मनुष्य को सभी समस्याओं से मुक्त कर देती है। उत्साह और जोशीला अंदाज़ केवल जवानों की बपौती नहीं है। उत्साहित जीवन जीने वाला बुजुर्ग किसी युवक से कम नहीं होता। अपने दैनन्दिन जीवन में हम प्रायः पौधारोपण करते, बागवानी करते, खूब पढ़ते लिखते, सभा सोसायटी को संबोधित करते और सत्संग एवं यात्राओं में शामिल होते वरिष्ठ नागरिकों में युवा जैसी ऊर्जा की स्पष्ट झलक देखते हैं। सचमुच उनकी गतिशीलता युवजन को प्रेरणा प्रदान करती है। मोबाइल पर फेस बुक और व्हाटस ग्रुप पर भी वो अपनी सक्रिय मौजूदगी दर्ज किया करते हैं। टी. वी.पर धारावाहिक हो कि नई पुरानी मूवी ,वो स्वयं को अपडेट रखते हैं। प्रतिदिन के लिए वरिष्ठ जन के लिए विचार के तल पर तीन सूत्र महत्वपूर्ण प्रतीत होते हैं।

1.धारणाः मन में यह धारणा करें कि मैं चिरयुवा हूँ। मेरी खुशियां किसी परिस्थिति या सुख सुविधा की मोहताज़ नहीं है। बढ़ी हुई उम्र संख्या से ज्यादा कुछ भी नहीं है।केवल मन का जोशीलापन ही युवापन की कसौटी है।

2. जब तक जीना तब तक सीखनाः नए हुनर सीखना,नई नई बातें जानना मेरा शगल है। जीवन के पूर्वार्द्ध में जिम्मेदारियों के बीच अपने जो शौक भूल गए थे, उन्हें फिर से जिंदा करना है। जीवन के प्रति अभिरुचि और निष्ठा जगाना है।

3. हर सुबह मेरे लिए आशा की नई किरण लाती है। हर रोज़ मेरी नई शुरूआत होती है। जोशो-खरोश और होश के साथ मुझे जिन्दगी को नए मोड़ देना है। स्वयम, परिवार और समाज के हित में मैं यथा सम्भव सक्रिय रहूंगा।

किसी शायर ने खूब लिखा है-

ज़माना जवानों को बदलता है हरदम ,
जवान वो है जो, ज़माने को बदल देता है।

गाँव खत्म हुए तो शहरों की नींव ढह जायेगी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

संतोष मिश्रा
स्वतंत्र पत्रकार
@jagrukjanta.net

भारत संस्कृति और मान्यताओं का देश है। यहां धार्मिक और सामाजिक विचारधारायें क्षेत्र के हिसाब से भिन्न है, किन्तु मान्यताओं का अंतिम बिन्दु एक ही है। देश की 150 करोड़ की विशाल आबादी को यदि हम आर्थिक चश्मे से देखें, तो यह व्यवस्था मुख्य रूप से चार श्रेणियों के एक पिरामिड में बंटी हुई नजर आती है। इस पिरामिड के सबसे निचले और सबसे बड़े आधार में देश के 6 लाख गांवों में निवास करने वाले वे 10 करोड़ ग्रामीण परिवार आते हैं, जिनकी आजीविका पूरी तरह से कृषि और पशुपालन पर निर्भर है। इसके ठीक ऊपर दूसरी श्रेणी है- कस्बों और छोटे शहरों में फैले 7 करोड़ सूक्ष्म (माइक्रो) उद्योगों की। गली-मोहल्ले की किराने की दुकानें, अचार-पापड़-डेयरी का घरेलू व्यापार करने वाले, ऑटो-टेम्पो व ई-रिक्शा चालक, चाय की थडियां, ढाबे वाले, छोटे मरम्मत कर्ता और रेहड़ी-पटरी वाले इसी अर्थव्यवस्था का हिस्सा हैं। तीसरी श्रेणी उन 7 लाख छोटे और मध्यम कारोबारियों की है, जो बाजार की असली धडकन हैं। इनमें राजकोट के नमकीन निर्माता, भावनगर के लहसुन-प्याज व्यापारी, सूरत, भीलवाड़ा और वाराणसी के कपड़ा ट्रेडर व निर्माता, पुणे, गुरुग्राम और चेन्नई के ऑटो-पार्ट्स हब से लेकर ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स कंपनियां शामिल हैं। अंत में, पिरामिड के शीर्ष पर आती है चौथी श्रेणी- वे 7000 बड़े कॉर्पोरेट उद्योग और घराने, जो महानगरों से संचालित होकर देश के लिए बड़े पैमाने पर स्टील, गाडियां, ब्रांडेड कपड़े, दवाइयां और एफएमसीजी उत्पाद बना रहे हैं । आज देश के सामने सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न इस पिरामिड के आधार यानी ग्रामीण परिवारों की आय का है। आज भारत की इस सबसे निचली श्रेणी की औसत आय मात्र 60,000 से 70,000 रुपए सालाना है, यानी बमुश्किल 5,000 से 6,000 रुपए महीना। इसके विपरीत, हमारे पड़ोसी और आर्थिक प्रतिद्वंद्वी चीन में एक ग्रामीण परिवार की औसत आय 2 से 3 लाख रुपए सालाना है। भारत में एक ग्रामीण परिवार प्रतिमाह औसतन 4,000-5,000 रुपए खर्च कर पाता है, जबकि चीन में यह खपत 20,000 रुपए प्रतिमाह के करीब है। चीन के लगभग 40 फीसदी घरों में आज चौपहिया गाडियां हैं, जबकि भारत में यह आंकड़ा बमुश्किल 5 फीसदी तक सिमटा हुआ है । चीन के 75 फीसदी घरों में दोपहिया वाहन हैं, वहीं भारत में आज भी केवल एक-तिहाई (33 फीसदी) घरों में ही टू-व्हीलर पहुंच पाए हैं ।

बका साथ, सबका विकास' के मंत्र को सही मायनों में चरितार्थ करने के लिए भारत की रीढ़- यानी हमारे गांवों- को आर्थिक रूप से सशक्त करना ही एकमात्र विकल्प है । जब तक देश के किसान और मजदूर की जेब में बाजार में खर्च करने लायक पैसा नहीं होगा, तब तक न तो कारखानों के पहिए पूरी रफ्तार से घूमेंगे और न ही विकसित भारत का सपना यथार्थ के धरातल पर उतर पाएगा

चीन का फर्नीचर (लकड़ी) बाजार भारत की तुलना में 3 गुना, कपड़ा बाजार 5 गुना और घरेलू बर्तनों व उपकरणों का बाजार 2 से 3 गुना बड़ा है। कड़वा सच यह है कि प्रति व्यक्ति आय और क्रय शक्ति के मामले में आज भारत का जो स्तर है, चीन उस मुकाम पर 2005 में ही पहुंच चुका था। यानी खपत और आमदनी के मामले में हमारे गांव चीन से 10-15 साल पीछे चल रहे हैं । जब 10 करोड़ ग्रामीण परिवारों की जेब में पैसा नहीं होगा, तो बाजार में मांग कहां से पैदा होगी? फलस्वरूप, आज देश के 7 लाख मध्यम वर्गीय कारोबारी और 7000 बड़े उद्योग एक सुर में कह रहे हैं कि देश में घरेलू मांग का भारी अभाव है।

बड़े औद्योगिक घरानों की फैक्ट्रियां आज अपनी कुल क्षमता के मात्र 70 फीसदी स्तर पर ही काम कर रही हैं। मांग न होने के कारण ये घराने अपनी उपलब्ध पूंजी का इस्तेमाल नए निवेश या कारोबार के विस्तार में नहीं कर पा रहे हैं । इसका जीता-जागता और दुखद उदाहरण हाल ही में सूरत की कपड़ा इंडस्ट्री में देखने को मिला। बढ़ती उत्पादन लागत और गिरती बाजार मांग के बीच, तैयार माल के भाव को गिरने से रोकने के लिए सूरत की मिलों को सप्ताह में दो-दो दिन अपनी फैक्ट्रियां बंद रखने का फैसला लेना पड़ा। इस अघोषित मंदी ने न केवल अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाया, बल्कि हजारों प्रवासी श्रमिकों को रातों-रात बेरोजगार कर दिया। कल्पना कीजिए, यदि भारत के गांवों में क्रय शक्ति होती, घरेलू मांग का पहिया घूम रहा होता, तो सूरत की फैक्ट्रियां दिन-रात चलतीं। न केवल माल बिकता, बल्कि जीडीपी में इजाफा होता और लाखों नए रोजगार पैदा होते।

संस्मरण : यूरोप यात्रा-1

स्विस डायरी : कुदरत के नायाब नजारों से रूबरू कराती एक यात्रा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मंजू माहेश्वरी
पत्रकार
@jagrukjanta.net

स्विस कन्फैडरेशन' यानी स्विट्जरलैंड–मध्य यूरोप में स्थित एक बेहद खूबसूरत और तटस्थ देश है। अपनी बेमिसाल कुदरती खूबसूरती, आल्प्स के पहाड़ों और शांत झीलों के लिए दुनिया भर में मशहूर इस देश में शांति, समृद्धि और प्रकृति का अनूठा सामंजस्य देखने को मिलता है। यहाँ की घड़ियाँ, उच्च गुणवत्ता वाली चॉकलेट और लजीज चीज दुनिया भर में नायाब माने जाते हैं। यही वजह है कि बॉलीवुड की अनगिनत फिल्मों की शूटिंग यहाँ होती रही है। यहाँ एक ओर बारह महीने बर्फ की सफेद चादर ओढ़े ग्लेशियर हैं, तो दूसरी ओर खूबसूरत फूलों, हरियाली, झीलों और झरनों से सराबोर दिलकश वादियां हैं।

राइन जलप्रपात : यूरोप का सबसे शक्तिशाली झरना

उत्तरी स्विट्जरलैंड के शाफहाउसेन शहर और जर्मनी की सीमा के पास स्थित 'राइन जलप्रपात' यूरोप का सबसे बड़ा और शक्तिशाली जलप्रपात है। यहाँ करीब 23 मीटर की ऊंचाई और 150 मीटर की चौड़ाई से घनघोर गर्जना करते हुए जब राइन नदी का पानी चट्टानों से टकराकर गिरता है, तो वह नजारा अद्भुत होता है। इसे जर्मनी की सीमा से भी देखा जा सकता है। पर्यटकों के लिए यहाँ कई व्यूइंग प्लेटफॉर्म बने हैं। सैलानी नाव के जरिए रोमांचक सफर करते हुए झरने के बेहद करीब जा सकते हैं और पानी के वेग व फुहारों का आनंद ले सकते हैं। यहाँ आकर एक अजब सी शांति और सुकून का अहसास होता है।

इंटरलेकन : बॉलीवुड का पसंदीदा ठिकाना

थुन और ब्रिएंज झीलों के मध्य बसा 'इंटरलेकन' एक बेहद खूबसूरत शहर है। यहाँ पैराग्लाइडिंग, विंड सर्फिंग और वॉटर स्कीइंग जैसी कई एडवेंचर गतिविधियां पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'जुदाई', 'हीरो' और 'ढाई अक्षर प्रेम के' जैसी कई मशहूर भारतीय फ़िल्में यहाँ फिल्माई गई हैं। भारतीय सिनेमा के दिग्गज निर्देशक यश चोपड़ा की पीतल की प्रतिमा भी यहाँ स्थापित है, जहाँ पर्यटक बड़े चाव से तस्वीरें खिंचवाते हैं। इंटरलेकन से महज आधे घंटे का सफर तय करके यूरोप के सबसे ऊंचे रेलवे स्टेशन के लिए पर्वतीय ट्रेन पकड़ी जा सकती है।

क्या आपने भी धरती के स्वर्ग स्विट्ज़रलैंड को करीब से निहारने का सपना देखा है, तो हो जाइए तैयार। बेशक, शेंगेन वीजा लेकर आप 29 यूरोपीय देशों की यात्रा कर सकते हैं। एक बार वीजा मिलने के बाद इन सभी देशों के बीच बिना किसी अतिरिक्त वीजा और बॉर्डर चेकिंग के घूम सकते हैं। यूरोपीय देशों की यात्रा की इस पहली सीरीज में हम आपको अपने साथ स्विट्ज़रलैंड की सैर पर लिए चलते हैं। दुनिया के सबसे महंगे देशों में शुमार स्विट्ज़रलैंड सुंदर और शांत देशों में भी अपना नाम दर्ज कर चुका है। इस देश में जितनी आबादी है, उससे अधिक लोग साल भर में यहाँ आते हैं। कूड़ा-कचरा और प्रदूषण यहां नाम को भी नहीं है और अपराध दर न के बराबर है। और यहां का बैंकिंग सिस्टम दुनियाभर में जाना जाता है।

जुंगफ्रॉउजोच : 'टॉप ऑफ यूरोप' का विहंगम सफर

यूरोप की सबसे ऊंची चोटी जुंगफ्रॉउजोच (3,454 मीटर) तक पहुंचने के लिए पर्वतीय ट्रेन और केबल कार का सहारा लेना पड़ता है। हैरत की बात यह है कि इस दुर्गम और ऊंचे रेलवे स्टेशन को बनाने में 16 साल का लंबा वक्त लगा था और यहाँ फरवरी 1912 में ही ट्रेन सेवा शुरू हो गई थी। उस दौर में बर्फीले पहाड़ों को काटकर यह रास्ता कैसे बनाया गया होगा, यह सोचकर ही सिहरन पैदा हो जाती है। ग्राइंडवाल्ड टर्मिनल से केबल कार के जरिए महज 15-20 मिनट में जुंगफ्रॉउजोच पहुंचा जा सकता है। इस सफर में चारों ओर नीचे फैली बर्फ की दूधिया पहाड़ियां, दूर नजर आती झीलें और गहरी खाइयों के विहंगम दृश्य देखकर कोई भी प्रकृति के इस रचनाकार को सराहे बिना नहीं रह सकता। सचमुच, यह धरती का स्वर्ग है! ऊपर पहुंचकर आप बर्फ से जुड़ी कई गतिविधियों का आनंद ले सकते हैं। यहाँ के 'आइस पैलेस' में बर्फ से बनी सुरंगें और मूर्तियां देखने लायक हैं। साथ ही, आल्प्स पर्वत का सबसे बड़ा ग्लेशियर 'एल्टस्क ग्लेशियर' भी यहीं है। यहाँ स्थित 'स्फिंक्स ऑब्जर्वेटरी' (3,572 मीटर की ऊंचाई) से आल्प्स पर्वत और ग्लेशियरों का 360-डिग्री पैनोरेमिक व्यू दिखाई देता है।

माउंट टिटलिसः रोटेटिंग केबल कार

3,238 मीटर की ऊंचाई पर स्थित माउंट टिटलिस स्विट्जरलैंड की उन बर्फीली चोटियों में से एक है, जहाँ साल भर बर्फ रहती है। ज्यूरिख या लूसर्न से एंगेलबर्ग पहुंचकर यहाँ की यात्रा शुरू होती है। पहले एक गंडोला के जरिए 'ट्रूबसी' और फिर वहाँ से 'स्टैंड' तक दूसरी केबल कार लेनी होती है। इसके बाद शुरू होता है 'टिटलिस रोटेयर' का अनोखा सफर। यह दुनिया की पहली घूमने वाली केबल कार है, जो यात्रा के दौरान 360 डिग्री घूमती है और आल्प्स के मनोरम दृश्यों का रोमांचक नजारा पेश करती है। ऊपर पहुंचकर आप ग्लेशियर गुफा का आनंद ले सकते हैं और यूरोप के सबसे ऊंचे सस्पेंशन ब्रिज 'टिटलिस क्लिफ वॉक' पर चलने का थ्रिल महसूस कर सकते हैं। मौसम के मिजाज के अनुसार यहाँ बर्फीले ढलानों पर स्नो ट्यूबिंग, स्कीइंग और स्नो बोर्डिंग का लुत्फ भी उठाया जा सकता है।

स्विस शहरों का सम्मोहनः ज्यूरिख, बर्न, लूसर्न और जेनेवा

» **ज्यूरिखः** स्विट्जरलैंड की यह वित्तीय राजधानी अपने समृद्ध सांस्कृतिक परिवेश, आधुनिक व ऐतिहासिक वास्तुकला, संग्रहालयों, नाइटलाइफ़ और बेहतरीन शॉपिंग के लिए जानी जाती है। ज्यूरिख लेक के किनारे शाम बिताना एक यादगार अनुभव है।

» **बर्न :** यहाँ की ऐतिहासिक राजधानी बर्न के ओल्ड टाउन को यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिया है।

» **लूसर्न :** यह शहर लकड़ी के बने प्राचीन 'चैपल ब्रिज', 'लायन स्मारक' और स्विस घड़ियों की शॉपिंग के लिए प्रसिद्ध है।

» **जेनेवा :** यह शहर अपनी खूबसूरत झील, जेट डि ओ फव्वारे और वैश्विक अंतरराष्ट्रीय संगठनों के मुख्यालयों के लिए दुनिया भर में जाना जाता है।

» **लाटरब्रूनेन :** हरी-भरी घाटियों और 72 गूंजते झरनों के नयनाभिराम दृश्यों के लिए यह जगह किसी सपने जैसी लगती है।

यूँ तो स्विट्जरलैंड में देखने के लिए अनगिनत ग्लेशियर, बेशुमार झीलें और खूबसूरत स्थल हैं। आपके पास जितने दिनों का समय हो, आप इस जन्नत को उतनी ही गहराई से अपनी यादों में समेट सकते हैं।

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 10/06/2026

सूर्योदय : 05:36 **सूर्यास्त :** 19:16 **चन्द्रोदय :** 01:23 **चन्द्रास्त :** 14:13 **शक सम्वत :** 1948 पराभव **अमान्ता महीना :** वैशाख **पूर्णिमांत :** ज्येष्ठ **सूर्य राशि :** वृषभ **चन्द्र राशि :** मीन **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** दशमी, 24:53 तक **वार :** बुधवार**द्रिक-वैदिक अयन :** उत्तरायण **द्रिक-वैदिक ऋतु :** ग्रीष्म **कलियुग :** 5127 वर्ष

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : उत्तरभाद्रपदा, 09:09 तक
योग : आयुष्मान, 06:28 तक
प्रथम करण : वणिजा, 13:46 तक
द्वितीय करण : विष्टि, 24:53 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:02 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:22 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:40 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:17 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:19 पी एम से
निशिता मुहूर्त	12:01 ए एम, जून 11 से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : राहु
कुंभ चक्र: तल

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 05:35 - 07:18	उद्वेग : 19:15 - 20:32
अमृत	: 07:18 - 09:00	शुभ : 20:32 - 21:50
काल काल वेला	: 09:00 - 10:42	अमृत : 21:50 - 23:07
शुभ	: 10:42 - 12:25	चर : 23:07 - 00:25
रोग वार वेला	: 12:25 - 14:07	रोग : 00:25 - 01:42
उद्वेग	: 14:07 - 15:50	काल : 01:42 - 03:00
चर	: 15:50 - 17:32	लाभ : 03:00 - 04:18
लाभ	: 17:32 - 19:15	उद्वेग : 04:18 - 05:35

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज दशमी

आज कौन सा कार्य करें

राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं। यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है। ऋण नहीं देना चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

ज्येष्ठ, कृष्ण, दशमी, 2083 बुधवार, 10 जून - 16 जून, 2026

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। व्यावसायिक योजना सफल होगी। घर की महिलाओं के साथ शॉपिंग के लिये जा सकते हैं। सम्पत्ति के मामले हल होने की सम्भावना है।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन बेहतरीन होगा। अपने विचारों को दूसरों पर न लादें। अपने रुचिपूर्ण कार्यों को समय अवश्य दें। आपको मेहनत के दम पर उत्तम सफलता मिलने की सम्भावना है।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
कार्यक्षेत्र में आप महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। धनलाभ के बेहतरीन अवसर प्राप्त हो सकते हैं। बच्चों की सफलता से गौरवान्वित महसूस करेंगे। परिवार के सभी सदस्य आपसे प्रसन्न रहेंगे।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
आपके पास काम की अधिकता रहेगी। वैवाहिक सम्बन्धों में मधुरता रहेगी। बॉस का विरोध झेलना पड़ सकता है। विद्यार्थी नयी जानकारियों को सीखने का प्रयास करेंगे। दोस्त योजना सफल करायेंगे।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
कार्यक्षेत्र में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी। पैतृक सम्पत्ति के विवाद दूर करने के योग बन रहे हैं। आपके कार्य की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। एकाग्रता में कमी होने के कारण थोड़ी परेशानी हो सकती है।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्चपद प्राप्त हो सकता है। मांगलिक कार्यों को लेकर बाधा दूर हो सकती है। व्यवसाय में बड़ा फेरबदल कर सकते हैं।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
आपके कुछ कार्य बिगड़ सकते हैं। प्रेम सम्बन्धों में अधिक भावुक नहीं होना चाहिये। अभिनय और संगीत आदि में रुचि लेंगे। कानूनी मामलों में सावधान रहें। गलत प्रवृत्ति के लोगों के साथ सम्पर्क न रखें।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
पूरा दिन उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। किन्तु आप प्रत्येक समस्या का समाधान कुशलतापूर्वक कर लेंगे। करियर को लेकर कुछ कनफ्यूज हो सकते हैं। प्रतिष्ठित व्यक्तियों को अपमानित होना पड़ सकता है।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
नयी जॉब की तलाश कर रहे हैं तो सफलता मिलेगी। सामाजिक कार्यों में आप भाग लेंगे। शेयर मार्केट से धनलाभ प्राप्त होगा। विरोधियों के ऊपर भारी पड़ेंगे। लघु उद्योगों में सफलता मिलेगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नयी तकनीक के प्रति आप अत्यधिक जागरूक रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन उत्कृष्ठ रहने वाला है। आपको शुभ समाचार प्राप्त हो सकते हैं। वैवाहिक जीवन में प्रेम की भावना बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
व्यवसाय में शानदार परिणाम मिलेंगे। बच्चों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। आपकी सलाह से लोगों को लाभ प्राप्त होगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
अपनी दिनचर्या को स्वस्थ और व्यवस्थित रखें, अन्यथा रोग की वृद्धि हो सकती है। शरीर में दुर्बलता रहेगी।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के 10 वर्ष पूर्ण

एक दिन आयोजित किए 4120 पीएमएसएमए सत्र

गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व सेवाएं उपलब्ध कराने में पीएमएसएमए की ऐतिहासिक उपलब्धि

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर प्रारम्भ किए गए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में सफलता के 10 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इस अवसर पर मंगलवार को प्रदेशभर के राजकीय स्वास्थ्य संस्थानों में गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष पीएमएसएमए सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रसवपूर्व जांच, परामर्श एवं उपचार सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल के रूप में स्थापित हुआ है। इस अभियान के माध्यम से देशभर में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की 7 करोड़ 50 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ प्रसवपूर्व स्वास्थ्य सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गई हैं। इसके सकारात्मक परिणामों से देश एवं प्रदेश में मातृ मृत्यु दर तथा शिशु मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है।

उन्होंने प्रत्येक गर्भवती महिला से गर्भावस्था के दौरान नियमित रूप से अपने निकटतम राजकीय स्वास्थ्य संस्थान में आयोजित पीएमएसएमए सत्र में पंजीयन कराकर निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने की अपील की है। नियमित जांच से गर्भावस्था के दौरान संभावित जटिलताओं की समय रहते पहचान कर सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित किया जा सकता है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि केंद्र सरकार की गाइडलाइन के अनुरूप राज्य में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तर तक गर्भवती महिलाओं को विशेषज्ञ चिकित्सकीय देखरेख में प्रसवपूर्व जांच, आवश्यक परामर्श, रक्त जांच, उच्च जोखिम गर्भावस्था की पहचान तथा उपचार सेवाएं पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रदेश में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान प्रत्येक माह की 9, 18 एवं 27 तारीख को आयोजित किया जाता है। अभियान को अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रदेश में राजकीय चिकित्सकों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के विशेषज्ञ चिकित्सकों का भी सहयोग लिया जा रहा है, जिससे गर्भवती महिलाओं को समय पर विशेषज्ञ परामर्श एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के माध्यम से उच्च जोखिम वाली गर्भवतियों की समय पर पहचान संभव हो रही है, जिससे उनके सुरक्षित प्रसव और स्वस्थ मातृत्व के लिए प्रभावी प्रबंधन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गंभीर एनीमिया, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, जुड़वां गर्भावस्था सहित अन्य चिकित्सकीय जटिलताओं का समय पर उपचार एवं निगरानी अभियान की बड़ी उपलब्धि है। राठौड़ ने बताया मंगलवार को प्रदेशभर में आयोजित हुए 4120 पीएमएसएमए सत्रों में लगभग 60 हजार से अधिक गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व जांचें की गयीं, मा-वाउचर योजना के तहत् 13 हजार 211 गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क सोनोग्राफी के कूपन जारी किये गये और निर्धारित लेवल से कम हीमोग्लोबिन वाली 3 हजार 800 से अधिक गर्भवतियों को फेरिक कार्बोक्सी माल्टोज (एमसीएम) इंजेक्शन की निशुल्क डोज लगायी गयी।

उन्होंने बताया कि अभियान संचालन की गतिविधियों के निरीक्षण के लिए राज्यस्तरीय, जिलास्तरीय व ब्लॉक स्तरीय चिकित्सा अधिकारियों द्वारा मॉनिटरिंग की गयी जिनमें 1 हजार 369 वर्चअल मॉनिटरिंग व 176 भौतिक निरीक्षण शामिल हैं।

एएसजी आई हॉस्पिटल, साकेत नगर शाखा का सफल एक वर्ष पूरा

मरीजों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है एएसजी आई हॉस्पिटल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। न्यू सांगानेर रोड स्थित एएसजी आई हॉस्पिटल, साकेत नगर शाखा ने अपनी स्थापना का सफलतापूर्वक एक वर्ष पूर्ण कर लिया है। इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधन एवं चिकित्सकों ने मरीजों, कर्मचारियों और शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया।

अस्पताल ने पिछले एक वर्ष के दौरान नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। अस्पताल में एडवांस्ड फेको मोतियाबिंद सर्जरी, कॉन्टूरा विजन लेसिक, कॉर्निया ट्रांसप्लांट, रेटिना सर्जरी एवं स्क्विंट (भेंगापन) उपचार जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम के नेतृत्व में हजारों मरीजों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक नेत्र चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गई हैं।

अस्पताल के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. मुकेश पाटिल, डॉ. दिव्या सिंह, डॉ. प्रमोद सुमन, डॉ. ध्रुव कामरा एवं डॉ. स्वाति के मार्गदर्शन में अनेक जटिल नेत्र रोगों का सफल उपचार किया गया। पिछले एक वर्ष में बड़ी संख्या में एडवांस्ड फेको मोतियाबिंद सर्जरी संपन्न की गई, वहीं कॉन्टूरा विजन लेसिक तकनीक के माध्यम से अनेक मरीजों को चश्मे से मुक्ति दिलाई गई। इसके अतिरिक्त कॉर्निया प्रत्यारोपण, रेटिना डिटैचमेंट तथा अन्य जटिल रेटिना रोगों का भी सफल उपचार किया गया। विशेषज्ञ रेटिना एवं कॉर्निया सेवाओं के कारण मरीजों को उच्चस्तरीय उपचार स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सका। बच्चों एवं वयस्कों में भेंगापन के कई जटिल मामलों का भी सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया।

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, साकेत नगर शाखा की सफलता का आधार आधुनिक तकनीक, अनुभवी चिकित्सकों की टीम तथा मरीजों का विश्वास रहा है। एक वर्ष के दौरान अस्पताल ने न केवल चिकित्सा सेवाओं का विस्तार किया बल्कि मरीजों को व्यक्तिगत देखभाल एवं बेहतर उपचार परिणाम भी सुनिश्चित किए।

प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर चिकित्सकों ने कहा कि उनका उद्देश्य जयपुर एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों को विश्वस्तरीय नेत्र चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना है। आने वाले समय में अस्पताल और अधिक उन्नत सुविधाओं एवं तकनीकों के साथ मरीजों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

अस्पताल परिवार ने इस अवसर पर सभी मरीजों, सहयोगियों एवं कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि उनका विश्वास और सहयोग ही इस उपलब्धि की सबसे बड़ी प्रेरणा है।

नवाचारों को मिलेगा नया मंच, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने आमंत्रित किए आवेदन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान द्वारा राज्यभर में उपलब्ध जमीनी स्तर के नवाचारों की पहचान, प्रलेखन एवं प्रोत्साहन के उद्देश्य से विभागीय वेबसाइट पर नवाचार आमंत्रण प्रक्रिया प्रारम्भ की गई है।इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्थानीय समस्याओं के प्रभावी समाधान, आजीविका संवर्धन, सतत् विकास तथा समाज के समग्र कल्याण में योगदान देने वाले नवाचारों को पहचान प्रदान करना एवं उन्हें व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित करना है।

विभाग ने ऐसे व्यक्तियों, नवप्रवर्तकों, किसानों, विद्यार्थियों, स्टार्टअप्स, स्वयं सेवी संस्थाओं तथा सामुदायिक संगठनों से अपने नवाचार प्रस्तुत करने का आग्रह किया है, जिन्होंने किसी अभिनव समाधान, तकनीक, उत्पाद, प्रक्रिया अथवा सर्वोत्तम कार्य-पद्धति का विकास किया हो और जो समाज के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकती हो। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव आरूषि मलिक ने बताया कि जमीनी स्तर पर विकसित नवाचार न केवल स्थानीय चुनौतियों का समाधान प्रदान करते हैं, बल्कि राज्य एवं देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विभाग ऐसे नवाचारों को उपयुक्त मंच उपलब्ध कराने तथा उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इच्छुक प्रतिभागी अपने नवाचार का विस्तृत विवरण विभागीय वेबसाइट https://www.dst.rajasthan.gov.in पर विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए आवेदन प्रपत्र के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं।

इंडिया फूड बिजनेस एक्सपो सम्पन्न

तीन दिन में 15 हजार विजिटर्स के साथ बनाया कीर्तिमान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। झालाना के आरआईसी में राजस्थान उद्योग व्यापार महासंघ और टीपीएन सोल्यूशंस की ओर से आयोजित इंडिया फूड बिजनेस एक्सपो- 2026 रविवार को संपन्न हो गया। एक्सपो में तीन दिन के दौरान देशभर से 15 हजार ट्रेड विजिटर्स ने भाग लिया। एक्सपो के समापन सत्र में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने भाग लिया और अध्यक्षता बीजेपी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी ने की।

अवार्ड समारोह में माहेश्वरी चाय के गौरीशंकर परवाल, पीसीएम मसाले के अंकित खंडेलवाल, टीडब्ल्यूएस के अशोक पाटनी और किराना किंग के बलवंत राणा को एक्सपो में सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। सभी एग्जीबिटर्स का भी स्मृति चिन्ह देकर आभार जताया गया। राजस्थान चैंबर के कार्यकारी अध्यक्ष आरएस जैमिनी, पीएमएआर के महासचिव राधेश्याम शर्मा, राजस्थान दुकानदार महासंघ के अध्यक्ष किशोर टाक, कैट के प्रदेश महामंत्री हेमंत प्रभाकर, अरातिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा ने भी विशिष्ट अतिथि के तौर पर समारोह में भाग लिया।

एक्सपो के आयोजक राजस्थान उद्योग व्यापार महासंघ के चेयरमैन डॉ अरुण अग्रवाल, प्रेसिडेंट जगदीश सोमानी, महामंत्री जितेंद्र गोयल ने सभी अतिथियों, एग्जीबिटर्स, विजिटर्स और सहयोगियों का आभार जताते हुए जयपुर की सफलता के बाद ओडीओपी नेशनल एक्सपो के आयोजन की घोषणा की। यह राष्ट्रीय स्तर का ओडीओपी एक्सपो दिल्ली के भारत मंडपम् में अगले साल जनवरी में आयोजित किया जाएगा।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान और जापान के त्सुकुबा विश्वविद्यालय की पहल

आयुर्वेद शिक्षा, अनुसंधान एवं चिकित्सा को वैश्विक स्तर पर सशक्त बनाने की दिशा में बढ़ा कदम

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (NIA), जयपुर में जापान के प्रतिष्ठित त्सुकुबा विश्वविद्यालय के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग की संभावनाओं को तलाशने के उद्देश्य से संस्थान का विजिट किया। इस अवसर पर दोनों संस्थानों के बीच भविष्य में समझौता ज्ञापन (MoU) स्थापित करने तथा आयुर्वेद एवं आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में सहयोगात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने पर सार्थक चर्चा हुई।

जापान के त्सुकुबा विश्वविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल में इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन के उपाध्यक्ष प्रो. ओहनेदा ओसामु, इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज की प्रो. इसोडा हिरोको तथा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन की डॉ. फुकुशिगे मिजुहो शामिल थीं। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर की ओर से कुलसचिव प्रो. अनीता शर्मा, प्रो. हेमन्त कुमार (विभागाध्यक्ष, शल्य तंत्र), प्रो. अनुपम श्रीवास्तव (विभागाध्यक्ष, रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग), जे.पी. शर्मा (संयुक्त निदेशक, प्रशासन) एवं चन्द्रशेखर शर्मा (उपनिदेशक) सहित संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी एवं चिकित्सक उपस्थित रहे। विजिट के दौरान दोनों संस्थानों के बीच संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, विद्यार्थी एवं संकाय विनिमय कार्यक्रमों, शैक्षणिक सहयोग, वैज्ञानिक प्रकाशनों तथा समन्वित चिकित्सा अनुसंधान को बढ़ावा देने पर विचार-विमर्श किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों, अनुसंधान अवसंरचना, अस्पताल सेवाओं तथा आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के वैज्ञानिक दृष्टिकोण की सराहना की। इस अवसर पर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के अधिकारियों ने संस्थान द्वारा संचालित आयुर्वेद शिक्षा, अनुसंधान एवं चिकित्सा सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

योग दिवस के लिए 120 योगार्थियों ने किया योगाभ्यास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। आरोग्य भारती, विद्याधर भाग ,बालाजी नगर एवं श्री श्याम सेवा समिति व राधे सेवा महिला मंडल बैनाड़ रोड़ जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में भव्य योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के महिला, पुरुष एवं बच्चों सहित लगभग 120 योगार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए योग एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति अपनी जागरूकता का परिचय दिया। योग शिक्षक डॉ कृष्णा अग्रवाल ने आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित योग प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महानगर प्रौढ़ कार्य प्रमुख विनोद शर्मा के अलावा डॉ महेश प्रकाश शर्मा, कार्यकर्ता डॉ. हरीष कौशिक, डॉ सुरेश शर्मा, डॉ प्रमोद शर्मा, डॉ जगदीश शर्मा, डॉ ममता सिंघल बाबूलाल पालीवाल, श्याम सेवा परिवार समिति के अध्यक्ष शिवसिंह राठौड़, कोषाध्यक्ष चंद्र प्रकाश गुप्ता, सचिव शशिकांत शर्मा व रमेश शर्मा, विजय शर्मा सहित अनेक गणमान्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सिद्ध पीठ आंजनेय धाम पर योगी आदित्यनाथ का मनाया 55वां जन्मोत्सव

जयपुर @ जागरूक जनता। निवारु पुलीया के पास शिव नगर झोटवाड़ा स्थित सिद्ध पीठ आंजनेय धाम पर योगी अखाड़ा के संस्थापक अध्यक्ष राधेश्याम महाराज के मार्गदर्शन से महामण्डलेश्वर श्रीश्री 1008 छगन आनंद महाराज घोटे वाले बाबा एवं प्रवक्ता देवी महापुराण साध्वी सविता दीदी के सानिध्य में सीएम योगी आदित्यनाथ जी का 55 वां जन्मोत्सव अपार हर्षोल्लास के साथ विशाल भजन संध्या में नृत्य करते हुए पुष्प वर्षा के साथ मनाया गया। गोपुत्र ज्योतिर्विद मानस संजय मिश्र ने वैदिक मंत्रोच्चारण से महामण्डलेश्वर घोटे वाले बाबा के साथ योगी आदित्यनाथ जी की तस्वीर पर दुग्धाभिषेक एवं पुष्पाभिषेक किया एवं सामुहिक हनुमान चालीसा का पाठ 55 दीपकों से महाआरती करके गौरक्षा, राष्ट्ररक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं कन्या बचाओ कन्या पढ़ाओ का अखण्ड संकल्प दिलाया।

शिल्पगुरू बाबूलाल मारोटिया विद्यार्थियों को सिखा रहे मिनिएचर पेंटिंग की बारीकियां

जयपुर @ जागरूक जनता। सिटी पैलेस प्रांगण में चल रहे सांस्कृतिक विरासत अभिरुचि प्रशिक्षण शिविर में शिल्पगुरू बाबूलाल मारोटिया समेत रामू रामदेव व हरिनारायण मारोटिया विद्यार्थियों को मिनिएचर पेंटिंग की बारीकियां सिखा रहे हैं। शिल्पगुरू बाबूलाल मारोटिया ने बताया कि इस कला में जो विभिन्न शैलियां है। उन शैलियों के आधार पर चित्र बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस कला की बारीकियां जैसे कैसे ब्रश चलाते हैं, कौनसे रंगों को काम लेते हैं, रंगों को कैसे बनाया जाता है आदि के बारे में पूरी जानकारी दी जा रही है। गौरतलब है कि शिविर में अधिकतर चित्र राधा-कृष्ण, राग-रागनियों पर आधारित है, जो हाथ से बने कागज(वसली) पर बना रहे हैं। अभी तक पेंसिल से स्केच करना, वसली पर सफेद रंग से बैस तैयार करना, रंगों को बनाना व रंगों को वसली पर भरना आदि तकनीक समझायी जा रही है। इसके बाद बैकग्राउंड बनाना, फैस बनाना, मोती लगाना, बोडर बनाना सिखाया जाएगा। शिविर के दौरान विद्यार्थी एक महीने में एक ही पेंटिंग ही तैयार कर सकेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 की तैयारियों की जयपुर जिला कलक्टर ने की समीक्षा

एसएमएस स्टेडियम सहित 4 प्रमुख स्थलों पर आयोजित होंगे योग कार्यक्रम

योग दिवस कार्यक्रमों में अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करने एवं सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के दिए निर्देश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 के सफल आयोजन एवं तैयारियों के संबंध में जयपुर जिला कलक्टर संदेश नायक ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में संबंधित अधिकारियों की बैठक ली और कार्यक्रमों की तैयारियों, विभागवार जिम्मेदारियों तथा जनभागीदारी बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की।जिला कलक्टर ने कहा कि योग भारत की प्राचीन परंपरा एवं स्वस्थ जीवनशैली का आधार है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों को सफल बनाने तथा अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योग दिवस केवल एक आयोजन नहीं बल्कि स्वस्थ एवं निरोग समाज की दिशा में जनआंदोलन है। बैठक में बताया गया कि 21 जून को सवाई मानसिंह स्टेडियम, अल्बर्ट हॉल, पत्रिका गेट एवं जलमहल पर योग कार्यक्रम प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक होंगे। सवाई मानसिंह स्टेडियम में राज्य स्तरीय मुख्य समारोह आयोजित होगा। जिला कलक्टर ने सभी कार्यक्रम स्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम स्थलों पर पेयजल, चिकित्सा सहायता, स्वच्छता, सुरक्षा, पार्किंग, यातायात प्रबंधन तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम स्थलवार नोडल अधिकारियों एवं सहायक नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर समस्त व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी प्रदान किए।

जिला कलक्टर ने आयुर्वेद, शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा अन्य संबंधित विभागों को योग दिवस के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने एवं अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों एवं विभिन्न विभागों के सहयोग से योग दिवस कार्यक्रमों को जनभागीदारी का उत्सव बनाने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रमों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा कार्यक्रम स्थलों का पूर्व निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का सत्यापन किया जाए। साथ ही विभागों के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम के सफल आयोजन को सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर श्री राजीव दीक्षित, अतिरिक्त जिला कलक्टर जयपुर शहर उत्तर राजेन्द्र सिंह सहित आयुर्वेद विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, नगर निगम, परिवहन विभाग, सूचना तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

पूर्व मंत्री महेश जोशी को कोर्ट से बड़ा झटका, 'अवैध गिरफ्तारी' वाली अर्जी खारिज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पूर्व मंत्री महेश जोशी का विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम प्रकरण ने प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने अपनी गिरफ्तारी को 'अवैध' बताते हुए कोर्ट से तुरंत रिहा किए जाने की गुहार लगाई थी। कोर्ट ने अपने विस्तृत आदेश में स्पष्ट किया कि पूर्व मंत्री की गिरफ्तारी में संवैधानिक अधिकारों और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के प्रावधानों की सारतः पूरी पालना की गई है। परिजनों को गिरफ्तारी के आधार और हालात की सूचना तकनीकी व मौखिक माध्यमों से समय पर मिल चुकी थी, इसलिए गिरफ्तारी को अवैधानिक नहीं माना जा सकता।

पूर्व मंत्री महेश जोशी के अधिवक्ता ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश कर तर्क दिया था कि 7 मई को जब उन्हें गिरफ्तार कर कोर्ट में 5 दिन के पुलिस रिमांड के लिए पेश किया गया, तो नियमों की अनदेखी की गई।

माधव विवि रजिस्ट्रार डॉ. भावेश का जन्मदिन सादगी के साथ मनाया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड। माधव विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. भावेश कुमावत का जन्मदिन विश्वविद्यालय परिसर में सादगी एवं आत्मीयता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार, शिक्षकों, कर्मचारियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ, सुखी एवं सफल जीवन की कामना की। डॉ. भावेश कुमावत ने अपने कुशल प्रशासन, दूरदर्शी सोच एवं कार्य के प्रति समर्पण के माध्यम से माधव विश्वविद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं अनुसंधान गतिविधियों को नई दिशा एवं गति मिली है। विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है।

जन्मदिन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में चैयरमेन डॉ राजकुमार ने डॉ. कुमावत के सरल व्यक्तित्व, सकारात्मक सोच एवं कार्यशैली की सराहना की। उन्होंने कहा कि डॉ. कुमावत विद्यार्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संस्थान के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं। उनके मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है।

हिंदुस्तान जिंक और टीईआरआई में एमओयू, चंदेरिया में विकसित होगा 250 हेक्टेयर का विश्वस्तरीय ग्रीन कवर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने राजस्थान में 250 हेक्टेयर क्षेत्र में इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन प्रोजेक्ट विकसित करने के लिए द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टीईआरआई) के साथ समझौता (एमओयू) किया है। इस परियोजना के तहत चित्तौड़गढ़ जिले स्थित चंदेरिया लेड-जिंक स्मेल्टर कॉम्प्लेक्स में औद्योगिक भूमि को प्राकृतिक इकोसिस्टम में परिवर्तित किया जाएगा।

कंपनी के अनुसार यह परियोजना औद्योगिक परिसर में विश्व के सबसे बड़े ग्रीन कवर क्षेत्रों में से एक के रूप में विकसित होगी, जिससे जैव विविधता संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलता (क्लाइमेट रेजिलिएंस) को बढ़ावा मिलेगा।

परियोजना में स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप पेड़, झाड़ियां, औषधीय पौधे और घास की प्रजातियों का रोपण किया जाएगा। साथ ही जल स्रोतों के संरक्षण, बाहरी प्रजातियों के प्रबंधन और दीर्घकालिक रखरखाव के लिए वैज्ञानिक योजना तैयार की जाएगी। टीईआरआई इस पूरे प्रोजेक्ट में तकनीकी विशेषज्ञता और स्थानीय पौधों के चयन में सहयोग करेगा।

हिंदुस्तान जिंक और टीईआरआई के बीच यह सहयोग पहले से चल रही पर्यावरणीय पहल का विस्तार है। चंदेरिया स्मेल्टर के जारोफिक्स यार्ड में टीईआरआई की माइकोराइजा तकनीक के माध्यम से 22.25 हेक्टेयर औद्योगिक बंजर भूमि का सफल पुनर्स्थापन किया जा चुका है, जहां करीब 56,400 स्थानीय पौधे लगाए गए हैं। इसके अलावा सुरक्षित लैंडफिल के ऊपर 6 हेक्टेयर का बायोडायवर्सिटी पार्क भी विकसित किया जा रहा है।

हिंदुस्तान जिंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अरुण मिश्रा ने कहा कि कंपनी के कार्य संचालन में सस्टेनेबिलिटी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि टीईआरआई के साथ साझेदारी के माध्यम से औद्योगिक भूमि को मजबूत हरित पारिस्थितिकी तंत्र में बदला जा रहा है, जो स्थानीय जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

कंपनी ने बताया कि वह 530 मेगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी परियोजना, 49 प्रतिशत जल पुनर्चक्रण क्षमता और 232 ग्रीन मोबिलिटी वाहनों के जरिए अपने ईएसजी लक्ष्यों को मजबूत कर रही है। हाल ही में एसएंडपी ग्लोबल कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट-2025 में हिंदुस्तान जिंक को लगातार तीसरे वर्ष विश्व की सबसे सस्टेनेबल मेटल्स एवं माइनिंग कंपनी का दर्जा भी मिला है।

माधव विश्वविद्यालय के शोधार्थी राधु भवर ने पीएचडी शोध कार्य पूर्ण किया

आबूरोड @ जागरूक जनता। माधव विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के शोधार्थी राधु भवर ने अपना पीएचडी शोध कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। उनका शोध कार्य शारीरिक शिक्षा विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. चिंतन बी. पटेल के निर्देशन में संपन्न हुआ। राधु भवर का शोध विषय "कॉम्परेटिव स्टडी ऑफ फिजिकल फिटनेस एंड फिजियोलॉजी एंड मेंटल स्ट्रेस ऑफ यूनिवर्सिटी लेवल रि केट, फुटबॉल एंड हॉकी प्लेयर्स" रहा, जिसमें विश्वविद्यालय स्तर के खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता, शरीर क्रिया विज्ञान तथा मानसिक तनाव का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। इस शोध कार्य के मूल्यांकन हेतु बाह्य परीक्षक के रूप में डॉ. विपुलकुमार के. मोदी, एसोसिएट प्रोफेसर, जीएमडीसी आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, कच्छ (गुजरात) को नियुक्त किया गया था।

आग की घटना के बाद फिर तैयार पचपदरा रिफाइनरी, पीएम दौरे पर असमंजस!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बाड़मेर। पचपदरा रिफाइनरी की सीडीयू यूनिट में लगी आग के बाद इसकी मरम्मत का कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। ट्रायल और सुरक्षा मानकों के परीक्षण के बाद इसके उद्घाटन की तिथि तय हो सकती है। इस बार बड़ी सभा का आयोजन होगा या नहीं इसको लेकर असमंजश की स्थिति बनी हुई है। पचपदरा रिफाइनरी में 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों रिफाइनरी के उद्घाटन का कार्यक्रम तय था। अचानक 20 अप्रैल को सीडीयू-वीडीयू यूनिट के एक्सचेंजर में विस्फोट होने से भीषण आग लग गई थी। क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट और वैक्यूम डिस्टिलेशन यूनिट सेक्शन के बीच स्थित हीट एक्सचेंजर में तकनीकी खराबी के चलते विस्फोट हुआ था। इससे यह कार्यक्रम रद्द हो गया था।

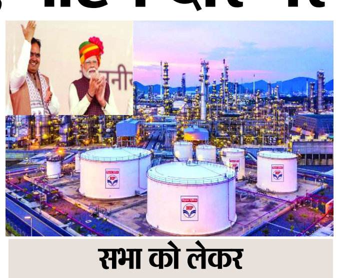

सभा को लेकर अभी असमंजस

पूर्व में इस कार्यक्रम को लेकर बड़ी सभा का आयोजन होना था। करीब दो से ढाई लाख लोग प्रदेश के मेगा प्रोजेक्ट के लिए पहुंचने थे, लेकिन अब स्थितियां एकदम बदल गई हैं। इस बार सभा का आयोजन होगा या नहीं अभी तक यह असमंजस में है। वहीं, पेट्रोल-डीजल को लेकर देशभर में चल रही किल्लत के चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेट्रोल और डीजल कम खर्च करने की अपील की हुई है। ऐसे में इतनी बड़ी सभा इस दौर में करने को लेकर आशंका है।

तेज गसे हो रहा मरम्मत कार्य

रिफाइनरी में लगी आग के बाद इसकी सीडीयू यूनिट की मरम्मत के लिए तत्काल ही कार्य प्रारंभ किया गया। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय, एचपीसीएल और राज्य सरकार की संयुक्त मॉनिटरिंग शुरू की गई। मई के आखिरी दिनों में इसके तैयार होने का लक्ष्य लिया गया था, जो लगभग अब पूरा हो गया है। ट्रायल की स्थिति में कार्य आ गया है।

वर्चुअल होगा या पीएम आएंगे

एक विकल्प अब यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अधिकारियों का ही रिफाइनरी में कार्यक्रम बने। विशिष्ट लोगों की मौजूदगी में यह कार्यक्रम हो जाए। दूसरा, विकल्प वर्चुअल का भी बन सकता है।

पचपदरा रिफाइनरी का जल्दी उद्घाटन करवाएंगे। यह कार्य तत्परता से किया जा रहा है। सुरक्षा और मानकों का परीक्षण कर यूनिट तैयार होते ही उद्घाटन होगा।
-केके विश्नोई, उद्योग राज्यमंत्री

माधव विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी शोधार्थी ने पीएचडी उपाधि अर्जित की

आबूरोड @ जागरूक जनता। माधव विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग के शोधार्थी डॉ. मुथ्थु कुमार ने अपनी पीएचडी उपाधि सफलतापूर्वक अर्जित की है। यह उल्लेखनीय शैक्षणिक उपलब्धि उन्होंने अपने शोध निर्देशक डॉ. आर. अरुणाचलम के मार्गदर्शन में प्राप्त की। उनके शोध कार्य का मूल्यांकन क्षेत्र के प्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ. अरविंद चौहान द्वारा किया गया। डॉ. चौहान ने शोध की अकादमिक गहराई, गुणवत्ता तथा फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में इसके उपयोगी योगदान की सराहना की। साथ ही उन्होंने शोधार्थी एवं मार्गदर्शकों के समर्पण एवं निरंतर प्रयासों की भी प्रशंसा की। इस अवसर पर सभी ने डॉ. कुमार को शुभकामनाएँ दीं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बिरला कॉर्पोरेशन का हरित संकल्प, कई कार्यक्रम आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड, चंदेरिया ने "प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए" थीम पर पर्यावरण संरक्षण सप्ताह का आयोजन किया। इस दौरान पोस्टर, कविता, प्रश्नोत्तरी, हाउसकीपिंग एवं 'बेस्ट फ्रॉम वेस्ट' प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कंपनी ने जिला प्रशासन और राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के साथ विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों, स्वच्छता अभियान और रैलियों में भी भागीदारी निभाई। समापन समारोह में इकाई प्रमुख जयंत कांडपाल व अन्य अधिकारियों ने वृक्षारोपण कर इस वर्ष हजारों पौधे लगाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जल संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण और कार्बन न्यूट्रैलिटी जैसे विषयों पर जागरूकता का संदेश दिया गया तथा पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

पटाखा कारखाने में लगी आग में एक बच्चे समेत चार की मौत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर के खो नागोरियान इलाके में एक पटाखा कारखाने में आग लगने से एक बच्चे समेत कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। आयशा नगर तलाई इलाके में आईटीआई कॉलेज के पास स्थित एक कारखाने में सुबह करीब 11 बजे आग लगी। दमकल और बचाव दल मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने और अंदर फंसे लोगों को निकालने के लिए अभियान चलाया। मृतकों में से एक की पहचान अब्दुल वाहिद के रूप में हुई है, जबकि अन्य तीन पीड़ितों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। घायलों की पहचान नासिर खान (23), समीर खान (30), बिलाल (30) और आदिब (25) के रूप में हुई है। चारों को एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर बताई है। एसएमएस अस्पताल के प्लास्टिक सर्जन डॉ. आरके जैन के अनुसार, समीर और नासिर लगभग 95 प्रतिशत जल गए हैं। बिलाल 75 प्रतिशत और आदिब 65 प्रतिशत जल गए हैं। जयपुर कलेक्टर संदेश नायक ने बताया कि आग कारखाने के अंदर रखे अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थ के कारण लगी प्रतीत होती है। बताया जा रहा है कि शादी समारोहों के लिए रखे गए बड़ी मात्रा में पटाखे आग में जलकर राख हो गए।

आयुर्वेद विवि के डॉ. हरीश कुमार सिंघल एवं डॉ. नीतू को मिला डिज़ाइन पेटेंट

डिज़ाइन पेटेंट विश्वविद्यालय के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को नई पहचान प्रदान करेगा-कुलगुरु प्रो. शुक्ल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के कौमारभृत्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो डॉ. हरीश कुमार सिंघल ने आयुर्वेदिक बाल स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए भारत सरकार के बौद्धिक संपदा कार्यालय (Intellectual Property Office), पेटेंट कार्यालय से "AYURVEDIC PEDIATRIC HEALTH ASSESSMENT AND CARE SUPPORT DEVICE" शीर्षक नवाचार के लिए डिज़ाइन पंजीकरण प्रमाण पत्र (Certificate of Registration of Design) प्राप्त किया है।

यह डिज़ाइन भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय द्वारा डिज़ाइन संख्या 490864-001 के अंतर्गत दिनांक 12 फरवरी 2026 को पंजीकृत किया गया तथा प्रमाण पत्र 04 जून 2026 को जारी किया गया। यह उपलब्धि आयुर्वेद आधारित बाल स्वास्थ्य प्रबंधन एवं तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की शोध एवं नवाचार क्षमता को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करती है।

उक्त नवाचार एक अभिनव आयुर्वेदिक बाल स्वास्थ्य मूल्यांकन एवं देखभाल सहायता उपकरण (Ayurvedic Pediatric Health Assessment and Care Support Device) है, जिसे विशेष रूप से बच्चों के समग्र स्वास्थ्य परीक्षण, विकासात्मक मूल्यांकन, पोषण स्थिति, व्यवहारिक अवलोकन एवं आयुर्वेदिक स्वास्थ्य संकेतकों के वैज्ञानिक विश्लेषण हेतु विकसित किया गया है। यह उपकरण आयुर्वेद के पारंपरिक ज्ञान एवं आधुनिक स्वास्थ्य प्रबंधन प्रणाली के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है।

प्रो डॉ. हरीश कुमार सिंघल ने बताया कि वर्तमान समय में बच्चों में पोषण संबंधी समस्याएँ, न्यूरो-डेवलपमेंटल डिसऑर्डर्स, स्क्रीन एक्सपोजर से उत्पन्न स्वास्थ्य चुनौतियाँ तथा जीवनशैली आधारित विकारों में निरंतर वृद्धि हो रही है। ऐसे समय में आयुर्वेद आधारित वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक उपकरणों का विकास अत्यंत आवश्यक है। यह डिवाइस चिकित्सकों, शोधकर्ताओं एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को बाल स्वास्थ्य के बहुआयामी मूल्यांकन में सहायता प्रदान करेगा तथा प्रारंभिक पहचान एवं समयबद्ध प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाएगा।

उन्होंने आगे बताया कि यह नवाचार कौमारभृत्य (Ayurvedic Pediatrics) के क्षेत्र में डिजिटल एवं तकनीकी हस्तक्षेपों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे भविष्य में आयुष चिकित्सा प्रणाली को आधुनिक स्वास्थ्य तकनीकों के साथ और अधिक सुदृढ़ किया जा सकेगा। यह उपकरण शोध, शिक्षण, क्लीनिकल प्रैक्टिस एवं सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं में भी उपयोगी सिद्ध होगा।

इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर शोध, नवाचार एवं बौद्धिक संपदा सृजन को प्रोत्साहित कर रहा है तथा यह डिज़ाइन पेटेंट विश्वविद्यालय के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को नई पहचान प्रदान करेगा। उन्होंने डॉ. हरीश कुमार सिंघल एवं डॉ. नीतू को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के शोध एवं नवाचार आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर नई दिशा देने में सहायक सिद्ध होंगे।

विश्वविद्यालय के प्राचार्य, अधिष्ठाता, संकाय सदस्यों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भी इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे विश्वविद्यालय एवं आयुर्वेद चिकित्सा जगत के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। डॉ. सिंघल ने इस सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों, सहकर्मियों, विश्वविद्यालय प्रशासन एवं परिवारजनों के सतत सहयोग को देते हुए कहा कि भविष्य में भी आयुर्वेदिक बाल स्वास्थ्य एवं डिजिटल हेल्थ इनोवेशन के क्षेत्र में नए शोध एवं तकनीकी विकास कार्य जारी रहेंगे।

राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत चित्तौड़गढ़ में अविनाश गहलोत एवं सी.पी. जोशी ने 800 वरिष्ठजनों को 75 लाख रुपये के सहायक उपकरण वितरित किए

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मंगलवार को चित्तौड़गढ़ के इंदिरा प्रियदर्शिनी ऑडिटोरियम में विशाल सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय वयोश्री योजना में राज्य एवं एलिम्को के सहयोग से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, सांसद श्री सी.पी. जोशी ने 800 वरिष्ठ नागरिकों को 75 लाख रुपये मूल्य के सहायक उपकरण वितरित किए।

कार्यक्रम में अविनाश गहलोत ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना केन्द्र और राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

गहलोत ने सांसद सी.पी. जोशी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि चित्तौड़गढ़ की जनता का सौभाग्य है कि उन्हें ऐसा जनप्रतिनिधि मिला है जो दिन-रात जनता की सेवा और क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर सक्रिय रहता है। उन्होंने कहा कि सांसद की पहल से क्षेत्र में अनेक जनकल्याणकारी शिविर आयोजित हुए हैं, जिनका लाभ हजारों जरूरतमंदों तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से समाज के कमजोर, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों को सहायता प्रदान की जा रही है। विभाग की पेंशन योजनाएं, स्कूटी वितरण योजना, दिव्यांगजन सहायता कार्यक्रम तथा वरिष्ठ नागरिक कल्याण योजनाएं लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं। सांसद सीपी जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष का कार्यकाल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहा है तथा देश ने विकास और जनकल्याण के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। जोशी ने कहा कि राष्ट्रीय वयोश्री योजना के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों को आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर उनके जीवन को अधिक सुगम, सुरक्षित और सम्मानजनक बनाया जा रहा है। शिविर के आयोजन से पूर्व व्यापक सर्वे एवं पंजीयन अभियान चलाकर पात्र लाभार्थियों की पहचान की गई, जिससे योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि चित्तौड़गढ़ लोकसभा क्षेत्र में पूर्व में भी दिव्यांगजनों के लिए बड़े स्तर पर शिविर आयोजित कर हजारों लोगों को सहायक उपकरण एवं मोटराइज्ड स्कूटी वितरित की जा चुकी हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए आयुष्मान भारत योजना का विस्तार किया है, जिससे बुजुर्गों को निःशुल्क उपचार की सुविधा मिल रही है।

सेटेलाइट कॉलर और सिम कैमरों से होगी बाघों की निगरानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

रणथंभौर। राजस्थान के सबसे बड़े और 'बाघों की नर्सरी' कहे जाने वाले रणथंभौर टाईगर रिजर्व में अब बाघों की निगरानी आधुनिक तकनीक से की जायेगी। इसके लिए रणथंभौर टाईगर रिजर्व ने एनटीसीए से अनुमति मांगी है, अगर एनटीसीए से अनुमति मिल जाती है तो रणथंभौर के बाघों की मॉनिटरिंग अब जीएसएम कैमरों और सेटेलाइट सिस्टम के माध्यम से की जायेगी, जिससे ना सिर्फ बाघों की बेहतर मॉनिटरिंग हो पायेगी, बल्कि बाघों को लेकर वनाधिकारियों की भागदौड़ के साथ चिंता भी कम होगी। साथ ही आधुनिक तकनीकी से बाघों के पल पल के मूवमेंट की सटीक जानकारी भी मिलेगी

8 से 10 बाघों के सेटेलाइट कॉलर लगाया जायेगा

रणथंभौर के डीएफओ मानस सिंह ने बताया की बाघों की मॉनिटरिंग के लिए रणथंभौर में जीएसएम कैमरे और सेटेलाइट तकनीकी का उपयोग करने का विचार बनाया गया है, अगर एनटीसीए से अनुमति मिलती है तो सबसे पहले 8 से 10 बाघों के सेटेलाइट कॉलर और जीएसएम कैमरा लगाया जायेगा ताकि बाघों के पल पल के मूवमेंट की जानकारी मिल सके, पहले से लगे सर्विलांस सिस्टम के थर्मल कैमरों को रिएक्टिवेट कर उन्हें आधुनिक बनाया जा रहा है।

सौर उर्जा से रिचार्ज होंगे कैमरे

बाघों की मॉनिटरिंग को मजबूत करने के लिए रणथंभौर में लगाये जाने वाले जीएसएम कैमरे आधुनिक तकनीक से लैस होंगे जो वायरलेस सर्विलांस पर चलते हैं, ये कैमरे इंटरनेट और वाई-फाई की बजाए सिम कार्ड के जरिए चलते हैं। जिन्हें आसानी से मोबाइल के जरिए ट्रेक किया जा सकता है, उनमें रिचार्जेबल बैटरी लगी रहती है जो सौर ऊर्जा से जुड़ी रहती है और सोलर पैनल से रिजार्च हो जाती है, इतना ही नहीं ये जीएसएम कैमरे रात के समय मे भी हाई क्वालिटी के वीडियो रिकॉर्डिंग करने में सक्षम होते हैं। वनाधिकारी अपने मोबाइल पर एप के माध्यम से इन कैमरों की लाइव फुटेज देख सकते है जिससे बाघों की मॉनिटरिंग अच्छे से की जा सकती है।

बढ़ रही बाघों की संख्या रणथंभौर टाईगर रिजर्व में लगातार बाघों की संख्या बढ़ रही है, जिसके चलते रणथंभौर के कई बाघ टेरेटरी की तलाश में रिजर्व से बाहर बाहर निकल जाते है, जिनको ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है, हालांकि रणथंभौर में बाघों की मॉनिटरिंग और ट्रेकिंग को लेकर पहले से ही सर्विलांस सिस्टम लगा हुआ है, अभी थर्मल कैमरों के माध्यम से बाघों पर नजर रखी जाती है, लेकिन बावजूद इसके कई बाघ रणथंभौर से बाहर निकल जाते है, जिन्हें ट्रैक करना मुश्किल हो जाता, ऐसे में अब रणथंभौर वन प्रशासन बाघों की पल पल की मॉनिटरिंग और ट्रेकिंग के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग करने जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026

वंदे भारत पार्क में प्रतिदिन हो रहा सामूहिक योगाभ्यास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में जिले में योग के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने एवं स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिदिन सामूहिक योग एवं प्राणायाम सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव के निर्देशन में वंदे भारत पार्क, बालोतरा में प्रतिदिन प्रातःकाल आयोजित हो रहे इन योग सत्रों में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है।

जिला स्तरीय योग कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिदिन सुबह 6 बजे से 7 बजे तक आयोजित होने वाले इस विशेष योगाभ्यास शिविर का संचालन राजकीय जिला आयुर्वेद चिकित्सालय बालोतरा के सहायक निदेशक डॉ. नेमसिंह राजपुरोहित, आयुष्मान आरोग्य मंदिर बालोतरा एवं पतंजलि योगपीठ के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। कार्यक्रम में विभिन्न आयु वर्ग के लोग उत्साहपूर्वक भाग लेकर योग एवं प्राणायाम का अभ्यास कर रहे हैं। योग सत्र में वरिष्ठ योग प्रशिक्षक बाबूलाल भंसाली, योग शिक्षक जितेन्द्र कुमार डागा तथा आयुर्वेद विभाग के योग प्रशिक्षक जगदीश द्वारा प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान क्रियाओं का अभ्यास करवाया जा रहा है। साथ ही योग के नियमित अभ्यास से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की विस्तृत जानकारी भी दी जा रही है।

सहायक निदेशक डॉ. नेमसिंह राजपुरोहित ने बताया कि अंतराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन एवं योग को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बदलती जीवनशैली, तनाव और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के बीच योग एक प्रभावी एवं प्राकृतिक समाधान के रूप में उभरकर सामने आया है। योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि मानसिक शांति, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार करता है। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है, तनाव एवं चिंता में कमी आती है तथा व्यक्ति का समग्र स्वास्थ्य बेहतर होता है। योग विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को स्वस्थ दिनचर्या अपनाने, संतुलित जीवन जीने तथा दैनिक जीवन में योग को शामिल करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

स्वामी भास्करानंद परमहंस की 31वीं पुण्यतिथि मनाई

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सवाई माधोपुर। परमहंस योग आश्रम में श्री भास्करानंद परमहंस महाराज की 31वीं पुण्यतिथि का दो दिवसीय कार्यक्रम उनके शिष्य एवं योगप्रेमियों ने श्रद्धापूर्वक मनाया। अखिल भारतीय योग विद्या प्रचार संघ एवं आश्रम संचालिका माँ राधे के सान्निध्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें विशेष रूप से योग एवं स्वास्थ्य के साथ देश की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में ध्वज पूजन, समाधि पूजन, श्री रामचरितमानस के अखंड पाठ और विशाल भंडारे के साथ-साथ योग महासम्मेलन भी आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर मध्य प्रदेश के बिजलगाँव से पधारे ब्रह्मचारी शिवानंद महाराज एवं जयपुर से आए वरिष्ठ पत्रकार शिवदयाल मिश्रा के अतिरिक्त अखिल भारतीय योग विद्या प्रचार संघ के पदाधिकारियों की उपस्थिति ने विशेष गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में गोलोकवासी स्वामी भास्करानंद के चित्र पर सभी आगंतुक श्रद्धालुओं ने पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर आश्रम परिवार ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

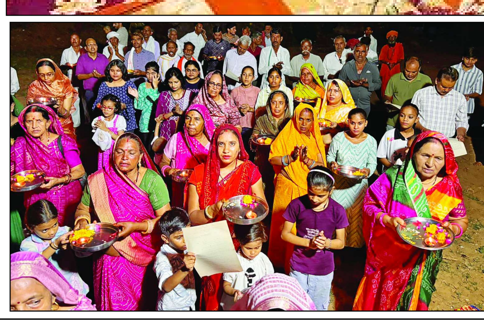

गांवों में लगेंगे Micro ATM, दूध बेचते ही तुरंत हाथ में आएगा कैश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बाड़मेर। जिले के प्राथमिक दुग्ध उत्पादन सहकार समितियों से जुड़े पशुपालकों को रुपए के भुगतान संबंधी परेशानियों से अब छुटकारा मिलेगा। उन्हें रुपए की निकासी के लिए बैंकों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। केंद्र सरकार के सहकार मंत्रालय की योजना के तहत दी बाड़मेर सेंट्रल कॉपरेटिव बैंक इन समितियों को माइक्रो एटीएम उपलब्ध करवाएगी। इससे समिति सचिव पशुपालकों की आवश्यकता पर उन्हें तुरंत पैसे निकालकर भुगतान कर सकेंगे। बाड़मेर जैसे रेतीले जिले में खेती और पशुपालन आजीविका का मुख्य साधन है। दुग्ध की बढ़ती मांग के कारण बड़ी संख्या में लोग पशुपालन से जुड़े हैं। इनमें से अधिकांश निजी और सहकारी दुग्ध उत्पादन समितियों को दूध बेचते हैं। जहां निजी डेयरी संचालक नकद भुगतान करते हैं। वहीं, सहकारी समितियां पशुपालकों के खातों में पैसे जमा करवाती हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक सुविधाओं के अभाव में पशुपालकों को पैसों की निकासी के लिए शहरों, कस्बों तक लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे कीमती समय और धन व्यर्थ होता है। पशुपालकों की इस परेशानी को समझते हुए केंद्र के सहकार मंत्रालय ने देश की सभी प्राथमिक दुग्ध उत्पादन सहकार समितियों को माइक्रो एटीएम देने का निर्णय किया है।

107 सहकार समितियों में मिलेगी सुविधा

बाड़मेर में कुल 254 प्राथमिक दुग्ध उत्पादन सहकार समितियां हैं, जिनमें से 107 क्रियाशील हैं। बैंक इन क्रियाशील समितियों को माइक्रो एटीएम उपलब्ध करवाएगा। इसे लेकर बीते दिनों समितियों के व्यवस्थापकों, सचिवों को प्रशिक्षण दिया गया है। आने वाले कुछ दिनों में समितियों को एटीएम उपलब्ध करवाए जाएंगे।

महंगे पशुपालक पर पैसों की जरूरत रहती है। ऐसे में गांव में बैंक नहीं होने और रुपए की निकासी के लिए अन्य कस्बे जाने पर बड़ी परेशानी होती है। केंद्र सहकार मंत्रालय की इस योजना से लाखों पशुपालकों को अच्छी सुविधा मिलेगी।
-अनाराम कलबी, पशुपालक

गांव में बैंक की सुविधा नहीं होने से पशुपालकों को भुगतान के लिए शहर जाना पड़ता है। एटीएम उपलब्ध होने से अच्छी सुविधा मिलेगी।
-पूनमाराम, सचिव प्राथमिक दुग्ध उत्पादन सहकार डेडावास

केंद्र की योजना के तहत जिले की प्राथमिक दुग्ध उत्पादन सहकार समितियों के सचिवों को प्रशिक्षण दिया है। शीघ्र ही माइक्रो एटीएम उपलब्ध करवाए जाएंगे, जिससे गांव स्तर पर ही रुपयों का लेन-देन होने से पशुपालकों को अच्छी सुविधा मिलेगी।
-अमराराम चौधरी, मुख्य प्रबंधक, दी बाड़मेर सेंट्रल कॉपरेटिव बैंक

पर्यावरण दिवस पर पेड़ लगाकर दिया संरक्षण का संदेश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चौमूं। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में चौमूं थाना परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व विराज फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि चौमूं थाना अधिकारी हरवेंद्र सिंह ने छायादार पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। थानाधिकारी हरवेंद्र सिंह ने कहा कि एक वृक्ष सौ पुत्रों के समान होता है। वृक्षारोपण करना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है तथा प्रकृति के प्रति हमारे ऋण को चुकाने का सर्वोत्तम माध्यम भी है। उन्होंने सभी लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने एवं उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।

विराज फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का विषय नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाकर उसकी देखभाल करनी चाहिए, तभी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं हरित वातावरण प्राप्त हो सकेगा। कार्यक्रम में कांस्टेबल मोहनलाल, कांस्टेबल सुमेर सिंह, कांस्टेबल चिरंजी लाल, विराज फाउंडेशन के प्रदेश महासचिव बनवारी लाल शर्मा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. एम.के. अग्रवाल, शिक्षा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष नरेंद्र सिंह सोलंकी तथा व्यापार प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष नारायण लाल शर्मा समाजसेवी मोहनलाल तिवाडी, जे ए एन इंद्राज सैनी सहित अन्य कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बड़ी सादड़ी-नीमच रेलवे ट्रैक पर स्पीड ट्रायल में दौड़ा इंजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

15 किमी ट्रैक का 11 जून को होगा CRS निरीक्षण

चित्तौड़गढ़। बड़ी सादड़ी से नीमच तक बिछाई जा रही नई रेलवे लाइन परियोजना के तहत 15 किमी लंबे ट्रैक का कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी (CRS) निरीक्षण 11 जून को होगा। इसके लिए रेलवे के इंजीनियर्स ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। सीआरएस बड़ी सादड़ी से जलोदा जागीर स्टेशन तक ट्रैक का निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण सफल होने के बाद इस रेलखंड पर यात्री ट्रेनों के संचालन की अनुमति मिल सकेगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार सीआरएस निरीक्षण से पहले शनिवार को ट्रैक पर स्पीड ट्रायल किया गया। ट्रायल के दौरान सामने आई कमियों को दूर करने के साथ ही अन्य तकनीकी खामियों को भी ठीक किया जा रहा है, ताकि निरीक्षण के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं आए।

70 प्रतिशत पूरा हुआ परियोजना का कार्य

बड़ी सादड़ी चित्तौड़गढ़ से नीमच तक करीब 49 किमी लंबी रेल लाइन का कार्य जनवरी 2024 में शुरू हुआ था। करीब 495 करोड़ की लागत वाली इस परियोजना का लगभग 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। परियोजना के तहत एक बड़ा रोड ओवर ब्रिज (आरओबी), 11 बड़े पुल और 78 छोटे पुलों का निर्माण किया जा रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्राम पीपराली में बैठक आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पीपराली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत पीपराली के सेवा केंद्र में पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्यावरण संरक्षण, जल बचत तथा अधिक से अधिक पौधारोपण करने पर चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए गांव में हरियाली बढ़ाने और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रशासक गंगाराम माचरा, ग्राम विकास अधिकारी रामेश्वरी गौड़, राणाराम माचरा, अध्यापक रामाराम नैण, पदमाराम माचरा, सवाई पटिर, अग्निवीर आर्मी हेमाराम नैण, पत्रकार सोहनलाल बरवड़ सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति में 10 सदस्य मनोनीत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। राजस्थान सरकार के जन अभियोग निराकरण विभाग द्वारा जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति, बालोतरा में विभिन्न वर्गों के 10 सदस्यों का मनोनयन किया गया है। इस संबंध में संयुक्त शासन सचिव द्वारा आदेश जारी किए गए हैं। जारी आदेश अनुसार समिति में महिला, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है। समिति का उद्देश्य जन शिकायतों के प्रभावी निराकरण, प्रशासनिक पारदर्शिता तथा आमजन समस्या समाधान में जनभागीदारी को बढ़ावा देना है। मनोनीत सदस्यों में तुलसी देवी, सुखदेव जीनगर, विशनाराम भील, झूमरलाल सार्जेट, हंसराज प्रजापत, साबिर खांन, लेहरा देवी, बाबू सिंह सिलोर, पारसमल भंडारी एवं महेश चंद चौहान शामिल हैं। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिला कलक्टर की अध्यक्षता में गठित जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति में सदस्यों के रूप में इन प्रतिनिधियों का मनोनयन किया गया है।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक ☐☐☐☐☐☐ (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

अग्रवाल समाज कटक एवं अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन परिवार का कार्यक्रम

79 मेधावी विद्यार्थी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कटक। अग्रवाल समाज कटक एवं अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन, कटक इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित "महाराजा अग्रसेन मेधावी शिक्षा सम्मान समारोह 2026" अत्यंत भव्य, प्रेरणादायी एवं ऐतिहासिक रूप से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। समारोह में कटक के मारवाड़ी समाज के 79 मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। शहीद भवन, कटक में आयोजित इस समारोह में समाज के 500 से अधिक गणमान्य सदस्य, शिक्षाविद्, अभिभावक, समाजसेवी एवं समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ आमंत्रित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ हुआ। एक नन्ही बालिका द्वारा प्रस्तुत मनमोहक गणेश वंदना ने पूरे वातावरण को भक्तिमय एवं भावविभोर कर दिया। अग्रवाल समाज कटक के अध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने सभी छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। कटक इकाई के अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल, डॉ.अमीत अग्रवाल, सीए सुनिता अग्रवाल, डॉ. निर्मल नरसरिया, आईआईएम की छात्रा कु. छापोलिया ने भी अपने विचार रखें। कार्यकारी अध्यक्ष मनोज नांगलिया, वहीं उपाध्यक्ष प्रकाश अग्रवाल (छोटू), प्रतीक कमानी, श्यामसुंदर चौधरी, राजकुमार सिंधानिया के अलावा सम्मेलन के मुख्य सलाहकार रमन बगड़िया, वरिष्ठ सलाहकार शरत सांगानेरिया का भी सराहनीय योगदान दिया। कार्यक्रम संचालन उपाध्यक्ष अनिल गोयंका एवं विजय अग्रवाल ने किया। सचिव विजय जालान ने समाज की विभिन्न संस्थाओं, समाजसेवियों, बुद्धिजीवियों एवं अभिभावकों से व्यक्तिगत संपर्क कर उनकी सहभागिता सुनिश्चित की।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

अब 42 दिन रहेंगी गर्मी की छुट्टियां प्रिंसिपल भी दे सकेंगे 2 दिन का अवकाश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में आग उगलती गर्मी और लू के थपेड़ों ने आम जनजीवन बेहाल कर दिया है। इसी बीच, प्रदेश के स्कूली बच्चों, पैरेंट्स और टीचर्स के लिए शिक्षा विभाग ने एक बड़ी राहत भरी खबर दी है। अगर आप सोच रहे थे कि 20 जून को छुट्टियां खत्म हो रही हैं और चिलचिलाती धूप में स्कूल जाना पड़ेगा, तो अब टेंशन छोड़ दीजिए। गर्मी के भयंकर प्रकोप को देखते हुए सरकार ने गर्मियों की छुट्टियों को आगे बढ़ा दिया है।

28 जून को खुलेंगे स्कूल

बीकानेर शिक्षा विभाग से 9 जून 2026 को जारी लेटेस्ट अपडेट के मुताबिक, प्रदेश में अब ग्रीष्मकालीन अवकाश 28 जून तक रहेगा। पहले सरकार ने शिविरा पंचांग जारी करते हुए इन छुट्टियों को 17 मई से 20 जून (महज 35 दिन) तक ही सीमित कर दिया था। लेकिन अब छुट्टियां 7 दिन और बढ़ गई हैं, जिससे कुल अवकाश 42 दिनों का हो गया है। इसके साथ ही एक और राहत दी गई है। अब स्कूलों के प्रिंसिपल के पास अपने अधिकार से एक दिन की बजाय दो दिन की छुट्टी मंजूर करने की पावर होगी।

पहले क्यों कम की छुट्टियां?

दरअसल, छुट्टियों में इस कटौती के पीछे शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का एक खास प्लान था। शिक्षा संकुल में शिक्षक संगठनों के साथ हुई बैठक में तय किया गया था कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए पढ़ाई के दिन बढ़ाकर 214 किए जाएंगे। इसका दूसरा सबसे बड़ा कारण 21 जून को होने वाला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस था। सरकार चाहती थी कि 20 जून को छुट्टियां खत्म हों और 21 जून को स्कूल खुलने पर सभी बच्चे और टीचर्स एक साथ मिलकर बिना किसी सिरदर्द के योगाभ्यास कर सकें।

मेवाड़ में प्री-मानसून की दस्तक के आसार, मानसून सप्ताहभर बाद!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। मेवाड़ में आगामी दिनों में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार 11 जून से क्षेत्र में प्री-मानसून गतिविधियां शुरू हो सकती हैं, जबकि इसके एक सप्ताह बाद मानसून की बारिश होने की संभावना जताई जा रही है। उधर, मौसम विभाग के अनुसार राजस्थान में 11 जून से एक और नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है। नए पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से राज्य के कुछ भागों में फिर से आंधी और बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की प्रबल संभावना है।

मौसमविद् नरपत सिंह राठौड़ ने बताया कि दक्षिण-पश्चिमी मानसून की दोनों शाखाएं अरब सागर और बंगाल की खाड़ी नमी से भरे बादलों के साथ तेजी से देश के भीतरी भागों की ओर बढ़ रही हैं। इसके प्रभाव से दक्षिणी महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, भीतरी कर्नाटक, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में मानसून पूर्व की अच्छी वर्षा हो रही है।

उन्होंने बताया कि अगले 36 घंटों में मानसून के मुंबई पहुंचने की संभावना है। इसके बाद महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में व्यापक वर्षा गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। वहीं बंगाल की खाड़ी की शाखा अगले तीन-चार दिन में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड और पश्चिम बंगाल होते हुए उत्तर-पूर्वी भारत तक पहुंच जाएगी।

मेवाड़-वागड़ और हाड़ौती क्षेत्र में अगले दो से तीन दिनों में प्री-मानसून गतिविधियां शुरू होने के संकेत हैं। इस दौरान तेज हवा के साथ अच्छी बारिश होने की संभावना है। यदि वर्तमान परिस्थितियां अनुकूल बनी रहीं तो 11 जून के आसपास प्री-मानसून वर्षा का दौर शुरू हो सकता है।

एस. जयशंकर ने दिया 12 साल का हिसाब

जब दुनिया में छिड़ी जंग, भारत ने ऐसे बचाई अपने लोगों की जान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की जमकर तारीफ की है। विदेश मंत्री ने कहा कि विदेश मंत्रालय और भारत की विदेश नीति में पिछले 12 सालों में जमीन-आसमान का बदलाव आया है। जयशंकर ने इस दौरान यूक्रेन, इजरायल, अफगानिस्तान और सूडान के संकट का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि कैसे मुश्किल हालात में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए भारत सरकार ने बेहद असरदार तरीके से काम किया।

12 साल में बदली विदेश नीति

विदेश मंत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा, 'पिछले 12 साल में विदेश मंत्रालय और भारत की विदेश नीति में बदलाव आया है। पासपोर्ट जारी करने और दस्तावेज के अटेस्टेशन को आम नागरिक के लिए एक आसान अनुभव बनाया गया है। विदेश में खुले दूतावासों और भारतीय समुदाय के लिए वेलफेयर फंड के ज्यादा इस्तेमाल के जरिए भारतीयों को पूरी मदद दी। शिकायत सुलझाने और फीडबैक के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाए।' विदेश मंत्री ने कहा कि युद्ध जैसे हालात में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालकर सरकार ने तेजी से कार्रवाई की। यूक्रेन, इजरायल, अफगानिस्तान और सूडान इसके कुछ उदाहरण हैं।

राजस्थान राज्य बीज निगम के निदेशक पद से हटाए गए जुगल किशोर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान राज्य बीज निगम ने निगम हितों को सर्वोपरि रखते हुए एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय लिया है। निगम के अशासकीय निदेशक जुगल किशोर पुत्र सतपाल को निदेशक मंडल के सदस्य पद से तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि जुगल किशोर का मनोनयन राजस्थान राज्य बीज निगम की 47वीं वार्षिक साधारण सभा में दिनांक 10 फरवरी 2026 को निगम के निदेशक मंडल में निदेशक के पद पर किया गया था। किन्तु हाल ही में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा भ्रष्टाचार से संबंधित एक प्रकरण में उनकी गिरफ्तारी के पश्चात निगम की साख, पारदर्शिता एवं जनविश्वास को बनाए रखने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई है।

राजस्थान राज्य बीज निगम ने स्पष्ट किया है कि संस्था की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं नैतिक मूल्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। निगम किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति पर कार्य करता है।

निगम प्रबंधन का मानना है कि सार्वजनिक संस्थाओं में जनविश्वास बनाए रखने के लिए उच्च नैतिक मानकों का पालन आवश्यक है तथा इसी दृष्टिकोण से यह निर्णय लिया गया है। निगम ने आश्वस्त किया है कि किसानों एवं हितधारकों के हितों की रक्षा तथा संस्थागत गरिमा को बनाए रखने के लिए भविष्य में भी आवश्यक कदम उठाए जाते रहेंगे।

MADHAV UNIVERSITY
(Established by the Rajasthan State Govt. Legislature Act No. 07 of 2014
ACCREDITED WITH 'A' GRADE BY NAAC
Entrance Test Exam Fee is 1500/-
ADMISSION OPEN 2026-27
Admission for UGC & State Govt. Norms.
APPROVAL BY STATE GOVT., UGC, AIU, NCH, RPMC, AYUSH, PCI, RCI, BCI.NCTE, NCVT)
HOMOEOPATHY
- B.H.M.S.
YOGA & NATUROPATHY
- BNYS - PGDYN
- DNYS - CCYN
ALLIED & HEALTHCARE
- Bachelor of Medical Laboratory Technology (BMLT)
- Bachelor of Radiation Technology (BRT)
- Bachelor of Operation Theatre Technology (BOTT)
- Master of Medical Laboratory Technology (MMLT)
- Master of Radiation Technolog (MRT)
- Master of Operation Theatre Technology (MOTT)
PHYSIOTHERAPY
- BPT
- MPT (Musculoskeletal Science, Sports Science, Neurology Science)
LIBRARY
- D. LIBRARY - B. LIBRARY
- M. LIBRARY
COMMERCE & MANAGEMENT
- B.Com. - M.Com.
- BBA - MBA
COMPUTER SC. & APPLICATIONS
- DCA - BCA - PGDCA
- MCA - B.Sc. (IT) - M. Sc. (IT)
PH.D ALL ABOVE COURSES
ENGINEERING AI/ML
- B.Tech. AI/ML
- B.Tech. AI/Data Science
- BCA AI/ML
- BCA AI/Data Science
- BCA Cyber Security
- MCA AI/ML
- MCA AI/Data Science
- B.Sc. IT AI/ML
- B.Sc. IT AI/Data Science
- M.Sc. IT AI/ML
- M.Sc. IT AI/Data Science
ENGINEERING
- Diploma (Civil, Mechanical, Electrical, ECE. CSE, Mining, Fire & Safety)
- B. TECH.
- CSE with Specialization: (Artificial Intelligence & Machine Learning, Data Science)
- B.TECH (Civil, Mechanical, Electrical, ECE. CSE, Mining, Fire & Safety)
- M. TECH
I.T.I.
- Diesel - Fitter
- Electrician - Wireman
CLINICAL PSYCHOLOGY
- B.Sc. Clinical Psychology
- MA Clinical Psychology
- PDCP Clinical Psychology PGDRP
SCIENCE
- B. Sc. (PCM & CBZ)
- M. Sc. (Physics, Chemistry, Mathematics, Zoology, Botany, Bio-Technology, Microbiology)
EDUCATION
- B.Ed.
- ITEP (B.A. B.Ed, B.Sc. B.Ed)
- MA EDUCATION
PHYSICAL EDUCATION
- D.P.Ed - B.P.Ed.
- M.P.Ed. - PGDSM
SPECIAL EDUCATION
- B.Ed. (HI) - B. Ed. (ID)
- D. Ed. (HI) - D. Ed. (IDD)
- ISTEP (FS) HI
PHARMACY
- D. Pharm - B. Pharm - M. Pharm
LAW
- B.A. LL.B. - LL.B. - LL.M. (2 Year)
ARTS, HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES
- BA - MA - MSW - MA (Yoga)
Hospitality Mgmt. Hotel Mgmt. & Catering Technology
- Bachelor in HMCT- BHM
- MBA. Hotel Mgmt.
- PG Diploma in Hotel Mgmt./Catering Tech.
- UG. Diploma in Hotel Mgmt./Catering Tech.
- Certificate in Hotel Mgmt./Catering Tech.
Hospital Management
- MBA.in Hospital Management
- Executive MBA in Hospital Mgmt.
- PG. Diploma in Hospital Mgmt
AGRICULTURE *Scholarships As per Admission on Merit Based the state Govt. Rules
- Diploma (1 Yr & 3 Yrs Courses)
- B.Sc. Hons.(Ag.)
- B.Sc. Hons.(Ag.) L.E.
- B.Sc. Hons. Agribusiness Management
- B.Sc. Hons. Natural Farming
- B.Sc. Hons. Organic Farming
- B.Tech Agricultural Engineering
- M.Sc. (Agri.) Agronomy, Genetics and Plant Breeding, Soil Science, Plant Pathology, Entomology, Agricultural Extension Education
- M.Sc. (Horti.) Fruit Science, Floriculture & Landscaping, Vegetable Science
UNIVERSITY CONTACTS 8875028991, 92, 93, 94 | WEBSITE: www.madhavuniversity.edu.in EMAIL: admission@madhavuniversity.edu.in
N.H.27, P.O. Bharja, Abu Road, Distt. - Sirohi (Raj.) -307032

अधिकमास महाशिवरात्रि पर करें पुण्य लाभ
गंगा स्नान
हरिद्वार, ऋषिकेश, देहरादून व सहस्त्रधारा
दर्शन एवं स्नान
मात्र ₹6100 रुपये में
2×2 AC बस (पुशबैक सीट वाली)
2 चाय | 2 नाश्ता | 2 लंच | 2 डिनर
यात्रा तिथि
13, 14, 15 जून 2026
महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर करें गंगा स्नान, पाएं पुण्य लाभ और भगवान शिव का आशीर्वाद।
यात्रा कार्यक्रम
12 जून रात्रि — जयपुर से प्रस्थान
13 जून — हरिद्वार आगमन एवं रात्रि विश्राम
14 जून — सहस्त्रधारा, ऋषिकेश दर्शन एवं वापसी यात्रा प्रारंभ (पार्किंग से)
15 जून सुबह — यूपी बॉर्डर क्रास करते हुए जयपुर आगमन
यात्रा में शामिल
- 2×2 AC बस (पुशबैक सीट वाली)
- 2 चाय + 2 नाश्ता
- 2 लंच + 2 डिनर
- सभी होटल / धर्मशाला में रात्रि विश्राम
- यात्रा के दौरान अनुभवी टूर मैनेजर
संपर्क करें
श्री संत बाबा मेहरदास ट्रस्ट
सिंधी मंदिर, मुरलीपुरा स्कीम, जयपुर
9928022718, 86968 12718, 94142 97309, 9829473033
सहयोगी
आल इण्डिया तीर्थ यात्रा कम्पनी
छोटी चौपड़, जयपुर
यात्रियों की व्यवस्था के हिसाब से तारीख में परिवर्तन संभव है

Residential / Day Boarding | Fully Air-Conditioned Campus
Sohna Road, Gurugram, Delhi NCR
GD GOENKA UNIVERSITY
Thrive. For life.
Admissions Open, Academic Year 2026-27
NAAC GRADE A+ ACCREDITED UNIVERSITY | Recognised as India's Best Education Brand 2026 by ET Edge
Association of Indian Universities (AIU) | Association of Commonwealth Universities (ACU) | International Association of Universities (IAU)
Avail Scholarships of up to 100% Based on Merit

(Based on Class 12 Marks)

Eligibility Criteria	Scholarship
95% and above aggregate in 10+2 of CBSE or Equivalent	100% Scholarship in Academic Fee
92% to 94.99% aggregate in 10+2 of CBSE or Equivalent	50% Scholarship in Academic Fee
88% to 91.99% aggregate in 10+2 of CBSE or Equivalent	30% Scholarship in Academic Fee
80% to 87.99% aggregate in 10+2 of CBSE or Equivalent	20% Scholarship in Academic Fee
70% to 79.99% aggregate in 10+2 of CBSE or Equivalent (Applicable only for B.Sc Agriculture & B.Pharmacy program)	10% Scholarship in Academic Fee

(Based on JEE Mains percentile)

Eligibility Criteria	Scholarship
90 and above Percentile	50%
80 - 89.99 Percentile	25%
75 - 79.99 Percentile	15%
70 - 74.99 Percentile	10%

INDUSTRY-ALIGNED PROGRAMMES AT GD GOENKA UNIVERSITY
Admissions Open through Lateral Entry / Migration

Engineering & Sciences
B.Tech. in Computer Science and Engineering
B.Tech. CSE in Artificial Intelligence and Machine Learning (AI & ML)
B.Tech. in Artificial Intelligence and Data Science (AI & DS)
with Curriculum Aligned to NVIDIA Deep Learning Institute (DLI) — in association with NVIDIA
B.Tech. in Cyber Security with Curriculum Aligned to CompTIA — in association with CompTIA
B.Tech. in Computer Science & Engineering with a specialization in Quantum Computing
B.Tech. in Electronics & Communication Engineering with a specialization in Quantum Technology — in association with PRENISHQ
B.Tech in Civil Engineering (Global Integrated Program 2+3 France Pathway) Study 2 Years at GD Goenka University + 3 years in France (Builders University)
B.Tech. in Mechanical Engineering Specialization in EV — in association with iCAT
B.Tech. in Electronics and Communication Internet of Things | Biomedical Engineering | VLSI — in association with BOSCH
BCA / BCA (Hons.)
- BCA - Artificial Intelligence & Machine Learning in association with Microsoft Cloudthat
- BCA - Data Science in association with Microsoft Cloudthat
- BCA - Cyber Security in association with CompTIA
B.Sc. - Hons. / M.Sc. - Forensic Science / Microbiology / Biotechnology
Master in Computer Application MCA
MCA - Generative AI - NVIDIA MCA - Data Science - NVIDIA
MCA - Cyber Security - CompTIA
MCA - Block Chain Technologies
Ph.D. Doctor of Philosophy Full Time | Part Time

Centre of Aerospace & Energy Studies
B.Tech Aerospace Engineering Aeronautics / Astronautics / Avionics / Defence Technologies
B.Sc. Aviation with CPL — REDBIRD FLIGHT TRAINING
B.Sc. Aviation with Pathway to Pilot Program USA/Europe — With Guaranteed International Placement
M.Tech Aerospace Engineering UAV Design / Space Technology
M.Tech Computational Mechanics — 1 full year Internship Abroad
B.Tech Energy Engineering Renewable Energy / Nuclear Energy / Oil & Gas Systems / Green Energy Certification — Guaranteed placement for the first 20 students
M.Tech: Renewable Energy Engineering & Nuclear Engineering — Dual Degree with Second Year in France
MBA Aviation Management / MBA Energy Management — Dual Degree with Second Year in Canada

Centre of Excellence in Occupational Health, Safety, Fire & Environment
B.Tech. Fire & Safety Engineering
M.Tech (Part Time / Full Time) - Health Safety & Environmental Engineering Specialisation in Disaster Management, Fire & Safety, ESG & Sustainability
MBA - (ESG & Sustainability Management)*
M.Tech (Part Time / Full Time) - Environmental Engineering Specialisation in ESG & Sustainability Engineering
Advance Diploma in Industrial Safety
Certificate in ESG & Sustainability (6 months)

Agricultural Sciences — Accreditation by ICAR
Bachelor of Science (Hons.) Agriculture with Artificial Intelligence
MBA - Agri Business Management*
M.Sc. (Master of Science in Agriculture) Agronomy / Soil Science and Agricultural Chemistry / Genetics & Plant Breeding / Plant Pathology / Agricultural Entomology / Horticulture / Agricultural Economics / Agricultural Statistics / Plant Protection / Agricultural Extension
Ph.D. Doctor of Philosophy Full Time | Part Time

Management
Global BBA Program — 2 Years in India + 2 Years Abroad with Temple University (US & Italy)
BBA / BBA (Hons.) Finance / International Business / Entrepreneurship / Human Resource Management / Marketing / Operations IT and Supply Chain Management / Artificial Intelligence & Machine Learning / Business Analytics / Digital Marketing
MBA Finance / Entrepreneurship / Human Resource Management / International Business / Marketing / Operations, IT and Supply Chain Management / Business Analytics / Artificial Intelligence & Machine Learning
in association with Grant Thornton
B.Com/ B.Com Hons. in association with ACCA
Ph.D. Doctor of Philosophy Full Time | Part Time

Law — Approved by BAR COUNCIL OF INDIA
Integrated BA. LL.B (Hons.)
Integrated BBA. LL.B (Hons.)
LL.B (Hons.)
LL.M
Ph.D. Doctor of Philosophy Full Time | Part Time

Healthcare & Allied Sciences
Fortis | Park Hospital | Aarvy | PARAS HEALTHCARE
Pharmaceutical Sciences Bachelors in Pharmacy, Masters in Pharmacy Pharmaceutics/ Pharmacology /Pharmacognosy
Physiotherapy Bachelor of Physiotherapy | Masters of Physiotherapy Musculoskeletal / Neurology
Bachelor of Science (B.Sc. Nursing) Approved by Haryana Nurses and Nurse-Midwives Council and Indian Nursing Council
B.Sc. (Hons.) in Cardiovascular Technology
B.Sc. (Hons.) in Medical Radiology & Imaging Technology
Optometry Bachelors of Optometry, Masters of Optometry
Masters in Public Health
Clinical Embryology Masters of Science in Clinical Embryology / Integrated Masters of Science in Clinical Embryology / PG Diploma in Clinical Embryology
Ph.D. Doctor of Philosophy Full Time | Part Time

Hospitality & Tourism — in academic collaboration LE CORDON BLEU | LCOE LEELA CENTRE OF EXCELLENCE
BBA (Hons.) in Hospitality Management
BA (Hons.) Culinary Arts
Diploma in Culinary Arts
Diploma in Pastry Arts
MBA in Hospitality & Tourism*
Ph.D. Doctor of Philosophy Full Time | Part Time

Liberal Arts — Fortis
B.A/ B.A. Hons. Psychology
B.A. (Hons.) in Liberal Arts — Temple University
Major in : English, Political Science, Economics, Sociology
Minor in : English, Political Science, Economics, Sociology, Psychology
2 Years in India + 2 Years Abroad with Temple University (US & Italy)
B.Sc. in Clinical Psychology (Hons.) RCI Approved
M.A. in Political Science International Relations / Public Policy
M.A. Psychology
Ph.D. Doctor of Philosophy Full Time | Part Time

UID School of Fashion & Design
Unitedworld Institute of Design (UID)
Industrial Design / Fashion & Lifestyle / Communication Design / Animation & Game Design / Interior & Spatial Design / Interdisciplinary Design/ Integrated Design

*MBA (*Degree to be awarded by the School of Management)
Commitment to Sustainability: LEED v4.1 EBOM Platinum Level Certification Rankings 2025 | GD Goenka Group is a Great Place to Work® Certified™, 2025 | NIRF Ranking 2025 90th Pharmacy ranked | QS I-GAUGE Institution of Happiness 2025-26 | Member-AACSB Since 2025 | Received Membership Recognition Under the United Nations Academic Impact initiative 2025-26 | Outlook 2nd Top Hotel Management Institutes in Delhi NCR 2024 by the Outlook I-CARE Survey
For Admissions Apply at: www.gdgoenkauniversity.com
For admissions Scan to apply
To apply for scholarships, visit www.gdgoenkauniversity.com
GD Goenka Education City, Sohna Road, Gurugram, Delhi NCR
Connect 9910000062 / 9818171304
GD GOENKA UNIVERSITY Thrive. For Life.

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- **चेतेन्द्र कुमार मिश्रा**